दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 123/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 09 दिसंबर 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की। इसमें वह दो छोटी बच्चियों के साथ शतरंज खेलते नजर आ रहे हैं। गृह मंत्री की यह तस्वीर लोगों को बड़ी पसंद आ रही है।

सांध्यप्रकाश विशेष

मैं विद्यार्थी परिषद का एक ऑर्गेनिक प्रोडक्ट: अमित शाह

विद्यार्थी परिषद का संगठन इतना मजबूत कि 75 वर्षों में न रास्ता भटका और न ही सरकारों को रास्ता भटकने दिया

नई दिल्ली। श्री शाह ने कहा कि मुझे चार दशक पहले का समय याद आ रहा है जब मैं कार्यकर्ता के रूप में पिछली पंक्ति में बैठा करता था। चीन युद्ध के बाद पूर्वोत्तर को देश से जोड़े रखने का कार्य करने में परिषद की भूमिका महत्वपूर्ण है। मैं गौरवान्वित हूँ कि मैं विद्यार्थी परिषद का एक ऑर्गेनिक प्रोडक्ट हूँ...अमित शाह ने कहा अभाविप वह मूर्ति है, जिसे यशवंतराव केलकर,मदनदास देवी, दत्ताजी डिडोलकर जैसे अनेकों महान शिल्पियों ने 75 वर्षों की इस यात्रा में गढ़ा है। चाहे भाषा व शिक्षा का आंदोलन हो या संस्कृति को बरकरार रखना हो, हर क्षेत्र में विद्यार्थी परिषद ने युवाओं के माध्यम से समाज को %स्व% का महत्त्व बताया है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 75वें वर्ष में आयोजित हो रहे चार-दिवसीय 69वें राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा दिल्ली के बुराड़ी स्थित डीडीए ग्राउंड में बसाई गई टेंट सिटी इंद्रप्रस्थ नगर के मदनदास देवी सभागार में किया गया। विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अधिवेशन उद्घाटन के अवसर पर अमित शाह ने परिषद के थीम सॉंग और राष्ट्रीय चेतना पर आधारित 5 पुस्तकों का विमोचन भी किया।

विश्व में भारत के बढ़ते क़द के परिप्रेक्ष्य में उन्होंने कहा यह देश के लिए जीने का समय है, युवा भारत माता को जीवन समर्पित करने के संकल्प के साथ इस अधिवेशन से लेकर जाएं और समाज को भी इस दिशा में एकजुट करें। अधिवेशन में सांस्कृतिक राष्ट्रीयता पर आधारित 8 थीम वाली विशाल प्रदर्शनी लगायी गयी है जिसमें भारतीय स्वाधीनता आंदोलन, राष्ट्रीय एकात्मता, विद्यार्थी परिषद की 75 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाया गया है, इस प्रदर्शनी को परिषद के संस्थापक सदस्य और संघ के वरिष्ठ प्रचारक स्व. दत्ताजी डिडोलकर के नाम पर समर्पित किया गया है। अधिवेशन के लिए 52 एकड़ में फैले विस्तृत परिसर में ऐतिहासिक इंद्रप्रस्थ नगर के स्वरूप में टेंट सिटी बसाई गई है,जहां देश के हर एक कोने से आये विद्यार्थी 4 दिन तक रुकेंगे।

अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजशरण शाही ने कहा कि ध्येय की निष्ठा, स्थान की पवित्रता और काल की अनुकूलता पर आयोजित यह अधिवेशन परिषद के कार्यकर्ताओं के लिए महायज्ञ है। अभाविप समय के साथ सतत् अपने ध्येय यात्रा को आगे बढ़ा रहा है। 75वर्षों की गौरवशाली यात्रा में केवल विद्यार्थी परिषद ने प्रश्न ही नहीं अपितु उनके समाधान भी प्रस्तुत किया है और भारत के युवाओं को भारत के वास्तविक इतिहास से परिचित कराने का कार्य किया है।

पीएम की विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से चर्चा: बिहार की लाभार्थी से बोले-

खुशी है योजनाओं का फायदा मिला, पहले कागज पर होती थीं

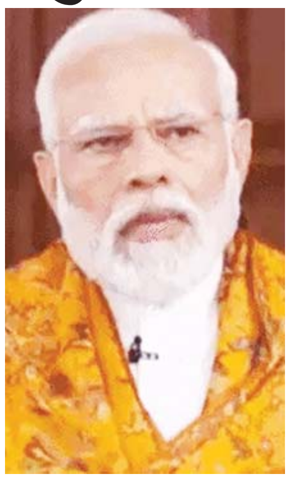

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बात की। इसमें पीएम अलग-अलग राज्यों के लाभार्थियों से वर्चुअली जुड़े। बिहार की एक लाभार्थी से कहा कि खुशी है कि आपको योजनाओं का फायदा मिला। पहले तो स्कीम्स सिर्फ कागजों पर होती थीं। किसी को इनके बारे में पता नहीं होता था।

मोदी ने भरूच के भी एक लाभार्थी से बात की। इन्होंने बताया कि वे पहले मुंबई में थे, फिर भरूच आ गए। अब खेती करते हैं। सरकार की योजनाओं से काफी सहूलियत मिली। पीएम ने लाभार्थी की बेटी से भी बात की। पूछा कि मुंबई जाने का मन नहीं करता। बच्ची ने कहा- नहीं। इसके बाद मोदी ने बच्ची से वहां बैठे लोगों से भारत माता की जय के नारे लगवाने को कहा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत प्रधानमंत्री के वर्चुअल संवाद कार्यक्रम में मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीसी के माध्यम से हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री शनिवार को दोपहर 12.30 बजे वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम से जुड़े। इसके बाद वह सभा को संभोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में देश भर से हजारों विकसित भारत संकल्प यात्रा लाभार्थी वर्चुअली शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान देश भर से दो हजार से अधिक वीबीएसवाई वैन, हजारों कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) और कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) भी जुड़े।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक और स्थानीय स्तर के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। विकसित भारत संकल्प यात्रा पूरे देश में सरकार की प्रमुख योजनाओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई। इसका मकसद है केंद्र सरकार की तमाम योजनाओं का लाभ सभी लाभार्थियों तक समय से पहुंच सके।

सोमवार को मिलेगा प्रदेश को नया मुख्यमंत्री

शिवराज ने कहा-राम राम, प्रहलाद बोले- इंतजार करिए

भोपाल। मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका खुलासा सोमवार को होगा और इसकी अधिकृत घोषणा भोपाल में सोमवार 11 दिसंबर को होने वाली भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद की जाएगी। इसके लिए नियुक्त पर्यवेक्षक रविवार या सोमवार सुबह भोपाल आ सकते हैं। विधायक दल की बैठक में पर्यवेक्षक नव-

निर्वाचित विधायकों से बात करेंगे। विधायकों से वन टू वन चर्चा भी कर सकते हैं।

प्रदेश के नए मुख्यमंत्री को लेकर पिछले 6 दिनों से असमंजस बना हुआ है। पार्टी ने मुख्यमंत्री के चयन के लिए तीन पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। इनमें हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के लक्ष्मण और पार्टी की राष्ट्रीय सचिव आशा लकड़ा शामिल हैं। मध्यप्रदेश में ये पहला मौका है जब भाजपा रिजल्ट (3 दिसंबर) आने के बाद भी मुख्यमंत्री का चेहरा तय नहीं कर पा रही है। अब 8 दिन बाद यानी 11 दिसंबर को भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद ही इस पर फैसला हो सकेगा। इससे पहले के चुनाव में भाजपा ने रिजल्ट आने के 2 से 5 दिन बाद ही मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान कर दिया था। क्योंकि पूर्व में भाजपा ने मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर ही चुनाव लड़े थे।

2003 में उमा भारती के चेहरे को प्रोजेक्ट कर चुनाव लड़ा गया था। इसके बाद 2008 से लेकर 2018 तक शिवराज ही चेहरा रहे हैं। इस बार चुनाव में भाजपा ने किसी भी चेहरे को प्रोजेक्ट नहीं किया। दो केंद्रीय मंत्री और तीन सांसदों के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद केंद्रीय नेतृत्व मुख्यमंत्री के चयन में कोई जल्दबाजी भी नहीं करना चाहता, क्योंकि इस फैसले का असर लोकसभा चुनाव में होगा।

प्रहलाद पटेल बोले- इंतजार करिए, मिलकर विकास करेंगे

नरसिंहपुर से विधायक चुने गए प्रहलाद पटेल ने शुक्रवार को भोपाल में कहा कि वे यहां विधायक के तौर पर जरूरी कार्रवाई के लिए आए हैं। सीएम फेस पर उन्होंने कहा कि इंतजार करना होगा। सभी मिलकर प्रदेश का विकास करेंगे। प्रहलाद पटेल भी मुख्यमंत्री पद के दावेदारों में से एक हैं। लोकसभा से विधानसभा आने के सवाल पर बोले- कोई सदन छोटा नहीं होता। सदन, सदन होता है। संख्या और नियमों में अंतर है। अगर ईश्वर ने चौकीदारी का काम दिया है तो चौकीदारी ही करनी चाहिए।

शिवराज सबसे ऊपर

चर्चाओं के अनुसार अब भी शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री की दावेदारी में सबसे ऊपर हैं। पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व लोकसभा चुनाव के चलते मध्य प्रदेश में कोई जोखिम नहीं लेना चाहेगा, ऐसी स्थिति में शिवराज सिंह पर ही दांव लगाकर पार्टी लोकसभा चुनाव में अच्छे परिणाम हासिल करने पर विचार कर रही है। शिवराज सिंह मुख्यमंत्री बने रहे तो दो उप मुख्यमंत्री प्रहलाद पटेल और तुलसीराम सिलावट को बनाया जा सकता है। तुलसीराम एससी वर्ग से आते हैं।

एक अन्य फार्मूले में प्रहलाद पटेल को मुख्यमंत्री बनाकर कैलाश विजयवर्गीय को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा है। ऐसी स्थिति में दो उप मुख्यमंत्री विष्णु दत्त शर्मा और ओमप्रकाश धुर्वे बनाए जा सकते हैं। तब नरेंद्र सिंह तोमर को पुनः लोकसभा चुनाव लड़ाकर केंद्र में ले जाया जा सकता है। एससी वर्ग के जगदीश देवड़ा को विधानसभा अध्यक्ष बनाया जा सकता है। मध्य प्रदेश में भाजपा ने यह बदलाव किया तो शिवराज सिंह ओबीसी वर्ग के अग्रणी नेता बनकर केंद्र में जा सकते हैं।

शिवराज ने लिखा- सभी को राम-राम

आज शनिवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- सभी को राम-राम...। चुनाव जीतने के बाद लगातार दौरे कर रहे शिवराज आज भोपाल में ही हैं। मुख्यमंत्री चयन पर सीएम शिवराज सिंह ने कहा कि कोई जद्दोजहद नहीं है। बीजेपी में एक तय प्रक्रिया है। कार्यकर्ता अपना काम करते हैं। पार्टी विचार करके फैसला करती है। उन्होंने कहा कि मामा और भैया का पद दुनिया में किसी भी पद से बड़ा है। इससे बड़ा कोई पद नहीं है।

राज्यपाल ने भंग की विधानसभा, नेता प्रतिपक्ष का पद रिक्त

भोपाल। राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने राज्य की वर्तमान विधानसभा को भंग कर दिया है। इसके साथ ही विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद रिक्त घोषित कर दिया गया है। संसदीय कार्य विभाग से जारी अधिसूचना के अनुसार राज्यपाल ने 4 दिसंबर को जारी आदेश में वर्तमान विधानसभा का विघटन कर दिया है। वहीं, विधानसभा सचिवालय से 5 दिसंबर को जारी अधिसूचना में नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह के विधानसभा चुनाव हारने का परिणाम घोषित के बाद नेता प्रतिपक्ष का पद रिक्त घोषित कर दिया है।

पार्टी नेतृत्व तय करेगा प्रदेश का मुख्यमंत्री : वीडी शर्मा

भोपाल। मप्र मुख्यमंत्री पद के सवाल पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा कश कहना है कि हम कैडर बेस ऑर्गनाइजेशन के कार्यकर्ता हैं। मुख्यमंत्री कौन होगा, उप मुख्यमंत्री कौन होंगे, होंगे, नहीं होंगे? इसका निर्णय नेतृत्व करेगा। 11 दिसंबर की शाम 4 बजे विधायक दल की मीटिंग होगी। 11 दिसंबर की सुबह तीनों पर्यवेक्षक भोपाल आएंगे। सीएम विधायक दल ही चुनेगा।

आज मीडिया से चर्चा करते हुए शर्मा ने मुख्यमंत्री शिवराज की राम-राम वाली पोस्ट पर कहा- राम - राम करना तो नैचुरल है। हमारी संस्कृति में सबसे पहले हम शुरुआत ही इसी से करते हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस की गारंटी भ्रष्टाचार की है तो मोदी की गारंटी है भ्रष्टाचारी नहीं बचेंगे। देश के अंदर कांग्रेस का मूल चरित्र उजागर हो रहा है। देश जानना चाहता है कि दो बार चुनाव हार चुके धीरज साहू को कांग्रेस ने राज्यसभा सांसद बनाया। कांग्रेस, करप्शन और कैश एक-दूसरे के पर्यायवाची बन गए हैं। कमलनाथ को मिस्टर करप्शन नाथ का नाम मिल गया।

धीरज साहू, राहुल गांधी और सोनिया गांधी का एटीएम बन गए हैं। क्या यही मोहब्बत की दुकान थी। साहू के गले में हाथ डालकर राहुल चलते हैं। वे इतने करीबी हैं कि भारत जोड़ो यात्रा में कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं। मप्र में भी भ्रष्टाचारी थे, बंटाढार।

झारखंड में कांग्रेस सांसद के ठिकानों से 300 करोड़ मिले

रांची। कांग्रेस सांसद धीरज साहू और उनके करीबियों के तीन राज्यों झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के 10 ठिकानों से आयकर विभाग को शनिवार तक 300 करोड़ से ज्यादा का कैश मिल चुका है। टैक्स चोरी के मामले में इनके घर,ऑफिस और फैक्ट्री पर बुधवार 6 दिसंबर को छापेमारी शुरू की गई थी। धीरज झारखंड से राज्यसभा सदस्य हैं। इनकम टैक्स के अफसरों के मुताबिक, ये किसी सिंगल ऑपरेशन में बरामद हुई अब तक की सबसे बड़ी रकम है।

आयकर विभाग को यह कैश ओडिशा के टिटलागढ़, बोलांगीर और संबलपुर स्थित ठिकानों से मिला है। शनिवार 8 दिसंबर को नोट गिनने के लिए 40 बड़ी और छोटी मशीनें लगाई गई हैं। नोटों की गिनती अब तक जारी है।आयकर विभाग के महानिदेशक संजय बहादुर ने दिल्ली जाने के दौरान

भुवनेश्वर एयरपोर्ट पर मीडिया से कहा कि कैश की मात्रा इतनी ज्यादा है कि अभी गिनती में दो दिन और लगेंगे। इसके बाद ही आधिकारिक रूप से इस पर जानकारी दी जा सकेगी।

मप्र में हार पर कांग्रेस का आत्ममंथन, दो प्रदेश महामंत्रियों ने दिया इस्तीफा

भोपाल। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद कांग्रेस पदाधिकारी इस्तीफा दे रहे हैं। शनिवार को जबलपुर में कांग्रेस के दो महामंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया। इससे पहले शुक्रवार शाम को दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में एमपी कांग्रेस नेताओं की समीक्षा बैठक हुई।

एमपी कांग्रेस के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने बैठक के बाद बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मध्यप्रदेश के नेताओं से चुनाव के नतीजों के बारे में चर्चा की।

सभी नेताओं ने अपने-अपने अनुभव साझा किए। हार के कारणों पर खुले मन से चर्चा हुई। कहां कमियां रहीं, इस पर आत्ममंथन, विश्लेषण और चर्चा की गई। सुरजेवाला ने बताया कि अब पार्टी के संगठन की रचना कैसी हो, कैसे आगे बढ़ा जाए, इसका फैसला पार्टी अध्यक्ष पर छोड़ा है। एमपी के नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष से जल्द पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के लिए भी कहा है, ताकि विधायक दल की बैठक कर जल्द नेता प्रतिपक्ष तय किया जा सके। मध्यप्रदेश कांग्रेस के नेताओं की बैठक जैसे ही खत्म हुई तो कमलनाथ कार में बैठकर रवाना हो गए।

जबलपुर में दो प्रदेश महामंत्रियों का इस्तीफा

जबलपुर में प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री अशोक गुप्ता और पंकज पांडे ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। दोनों महामंत्रियों ने पीसीसी चीफ कमलनाथ को इस्तीफा भेजा है। दोनों नेता जबलपुर में कांग्रेस प्रत्याशी के चुनाव प्रभारी थे।

लक्ष्मण सिंह ने भितरघात को बताया हार का कारण

इधर, कांग्रेस की हार पर दिग्विजय के भाई और पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह ने कहा कि सर्वे में कांग्रेस जीत रही थी, लेकिन भितरघात हार की प्रमुख वजह है।

राजस्थान में भाजपा विधायक दल की बैठक कल: आज जेपी नड्डा इनसे बातचीत करेंगे

जयपुर। राजस्थान का नया सीएम चुनने को लेकर दिल्ली से लेकर जयपुर तक भाजपा में गहमागहमी का माहौल है। भाजपा के विधायक दल की बैठक रविवार को होनी है, लेकिन इससे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज शाम 5 बजे सभी विधायकों से बातचीत करेंगे। इसे बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि पहले ऐसा कभी नहीं हुआ।

सीएम का नाम तय करने के लिए भाजपा हाईकमान ने राजस्थान में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पर्यवेक्षक बनाया है। उनके साथ राज्यसभा सांसद सरोज पांडे और राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावडे को भी पर्यवेक्षक बनाया गया है। तीनों आज रात तक जयपुर आ सकते हैं। माना जा रहा है कि विधायक दल की बैठक को लेकर आज सभी विधायकों को आधिकारिक सूचना दी जाएगी। इससे सभी विधायक तय समय पर जयपुर पहुंच सकें। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे और प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी भी दिल्ली से आज जयपुर लौट आएंगे।

छत्तीसगढ़ में कल होगी भाजपा विधायक दल की बैठक- छत्तीसगढ़ भाजपा के अध्यक्ष अरुण साव ने कहा, भाजपा कार्यकर्ताओं और लोगों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। भाजपा विधायक दल की बैठक कल 10 दिसंबर को होगी। अर्जुन मुंडा, सर्वानंद सोनोवाल और दुष्यंत गौतम विधायकों की बैठक लेंगे। छत्तीसगढ़ के लिए भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षकों में से एक केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता अर्जुन मुंडा ने कहा कि सीएम के नाम की घोषणा जल्द ही कर दी जाएगी।

मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर हुए बाबा बालकनाथ

मुख्यमंत्री की रेस में शामिल तिजारा विधानसभा से भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक बाबा बालकनाथ ने एक बयान जारी कर खुद को इस रेस से बाहर कर लिया है। बालकनाथ ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए मुख्यमंत्री पद से खुद को बाहर कर लिया है। बाबा बालकनाथ ने अपनी पोस्ट में लिखा है, पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जनता-जनार्धन ने पहली बार सांसद व विधायक बनाकर राष्ट्रसेवा का अवसर दिया है। चुनाव परिणाम आने के बाद से मीडिया व सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं को नजर अंदाज करें। मुझे अभी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में अनुभव प्राप्त करना है।

जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य पर दिया गया प्रशिक्षण

पर्यावरण में बदलावों के कारण अनाजों, फलों, सब्जियों की पौष्टिकता में कमी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा पर्यावरण एवं नियोजन संगठन के सहयोग से किया आयोजन

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा पर्यावरण एवं नियोजन संगठन (एपको) के सहयोग से प्रशिक्षण आयोजित किया गया । प्रशिक्षण में शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं के चिकित्सक, पैरा मेडिकल स्टाफ एवं कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर शामिल थे । प्रशिक्षण में जलवायु परिवर्तन में हो रहे बदलाव के कारण बारिश के कम और ज्यादा होने, फसलों पर हो रहे प्रभाव और मानव स्वास्थ्य पर होने वाले प्रभावों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

पर्यावरण एवं नियोजन संगठन के राम रतन सिमैया ने फसलों के उत्पादन में हो रहे रसायनों के उपयोग एवं ऊर्जा अपव्यय के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि पराली जलाने से स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव होते हैं। पर्यावरण में होने वाले बदलावों के कारण वेक्टर बॉर्न, फलों, सब्जियों और अनाजों की पौष्टिकता में कमी आ रही है। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने कहा कि स्वास्थ्य को अच्छा रखने के लिए पर्यावरण को ठीक रखना जरूरी है। पर्यावरण प्रदूषण हमारे स्वास्थ्य को रोज खराब कर रहा है। पर्यावरण को प्रदूषित कर हम अगली पीढ़ी के लिए बीमारियां छोड़ रहे हैं । प्रदूषित पर्यावरण का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष असर प्रत्येक व्यक्ति के स्वास्थ्य पर होता है। गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग, गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोग पर्यावरण प्रदूषण से अधिक प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण का प्रत्यक्ष असर हमारे श्वसन तंत्र, त्वचा, आंखों पर सबसे पहले दिखाई देता है। स्वस्थ पर्यावरण हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। तंबाखू के धुएं और दूषित पर्यावरण क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पलमोनरी डिजीज (सीओपीडी) का प्रमुख कारण है। जिससे क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस और अस्थमा जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। पर्यावरण एवं नियोजन संगठन के श्री रवि शाह ने जलवायु परिवर्तन की दिशा में किया जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि सभी शासकीय विभागों एवं गैर सरकारी संगठनों के संयुक्त प्रयासों से जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण प्रदूषण को नियंत्रण में लाया जा सकता है। पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए छोटे-छोटे उपाय को अपने दैनिक जीवन में अपना सकता है। सार्वजनिक वाहनों अथवा साइकिल का उपयोग, ट्रैफिक सिग्नल पर गाड़ी के इंजन को बंद करना, पानी का अपव्यय कम करना, पेड़ पौधे लगाना, वर्षा जल का संग्रहण, सूखे एवं गीले कचरे को अलग अलग करना, एलईडी लाइट का इस्तेमाल, बिजली के उपयोग को कम करना, जैसे छोटे-छोटे तरीके आसानी से अपनाए जा सकते हैं।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में जावा स्क्रिप्ट पर तीन दिवसीय कार्यशाला

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के कंप्यूटर सांइस विभाग द्वारा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में जावा स्क्रिप्ट पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को जावा स्क्रिप्ट से संबंधित महत्वपूर्ण व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना था। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने इस आयोजन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि छात्राओं को वर्तमान परिदृश्य के अनुसार कोडिंग और आवश्यक कौशल की समझ होना आवश्यक हैं। इस तीन दिवसीय कार्यशाला में विजय तिवारी, फाउंडर, प्रेजेंटली टेक एकेडमी, भोपाल विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने छात्राओं को जावा स्क्रिप्ट की आधारभूत जानकारी प्रदान कर रिएक्ट जे एस,डाटा हैंडलिंग, मोंगो डी बी,क्राउड ऑपरेशन, नोड जे एस और एक्सप्रेस जे एस को सविस्तार प्रभावी ढंग से बताया।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के योग एवं पैरामेडिकल विभाग में हुई कार्यशाला

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में योग एवं पैरामेडिकल विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आधुनिक जीवन शैली में योग की उपयोगिता पर आधारित रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ मोहित तवर, एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, चिकित्सा संकाय की डीन डॉ मनीषा गुप्ता, डॉ अविनाश सिंह, विभागाध्यक्ष, पैरामेडिकल विभाग, डॉ रत्नेश पांडे, विभागाध्यक्ष योग विभाग कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस मौके पर डॉ मोहित तवर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए योग के अलग-अलग पहलुओं पर प्रकाश डाला। आधुनिक जीवन में हम स्वास्थ्य को कैसे संयमित रख सकते हैं इस पर विस्तृत रूप से चर्चा की। साथ ही साथ योग के विभिन्न आसन जैसे प्राणायाम, बंध, मुद्राओं और क्रियाओं की जानकारी दी साथ ही उनका अभ्यास भी छात्रों को कराया। कार्यक्रम में 100 से अधिक छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर छात्रों ने अपनी जिज्ञासाओं को प्रकट करते हुए विभिन्न प्रकार के प्रश्नों को विशेषज्ञ से साझा करते हुए जानकारी ली।डॉ मनीषा गुप्ता ने भी योग के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए छात्रों को नियमित योग करने की सलाह दी। डॉ अविनाश सिंह ने भी छात्रों को योग से होने वाले लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। वहीं डॉ रत्नेश पांडे ने योग की जीवन में उपयोगिता के महत्व को विद्यार्थियों से साझा किया और कार्यक्रम के अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापित गया।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना में आवेदन आमंत्रित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत मछली पालन की विभिन्न योजनाओं से जुड़ने के लिये आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है। इसके तहत मछुआरे मत्स्यकृषक या मत्स्यपालन के इच्छुक व्यक्ति आवेदन कर सकते है। योजना का लाभ लेने हेतु आवेदक कार्यालय सहायक संचालक मत्स्योद्योग पातन मत्स्यबीज प्रक्षेत्र सेंट्रल लायब्रेरी, सुल्तानियां लेडी हॉस्पीटल के पास भोपाल में 31 दिसंबर 2023 तक आवेदन कर सकते है। क्लस्टर आधारित पहले आओ पहले पाओं के आधार प हितग्राहियों के चयन में प्राथमिकता दी जाएगी।

सहायक संचालक, मत्स्योद्योग द्वारा मछली पालन से जुड़े कृषकों और मछली पालन से जुड़ने वाले इच्छुक व्यक्तियों के लिये मात्स्यिकी विभाग भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है। योजना का मुख्य उददेश्य मछली उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि, गुणवत्ता तकनीकी आधारभूत संरचना एवं प्रबंधन से मत्स्यपालन के एक मजबूत ढाँचा की स्थापना तथा मत्स्यपालकों एवं मछुआरों को रोजगार प्रदान कर आय दोगुनी करना हैं। इच्छुक व्यक्ति मछली पालन की योजनाओं हेतु आवेदन कर सकते है जिसमें मत्स्य बीज उत्पादन के लिए बीज उत्पादन हैचरी की स्थापना, मत्स्यबीज संवर्धन के लिए नवीन पोखर नर्सरी का निर्माण, नवीन तालाब का निर्माण, पंगेशियस मछली पालन, तिलापिया मछली पालन के लिए इनपुट्स की व्यवस्था, जलाशय में मत्स्य अंगुलिकाओं का संचयन, रंगीन मछलियों की ब्रीडिंग एवं रियरिंग के लिए इकाई की स्थापना, पुर्न संचारी जल कृषि प्रणाली (आरएएस) की स्थापना, वायोफलाक्स की स्थापना, आइस बाक्स युक्त मोटर साइकिल, मछली बिक्री के लिए ई. रिक्शा, रेफिजिरेटेड व्हीकल, जलाशय में केज स्थापना, फिश फीड़ मिल प्लांट, मछली कियोस्क का निर्माण, लाइव फिश वेंडिग सेंटर, आइस प्लांट, थ्री व्हीलर विथ आइस बाक्स रोग निदान एवं गुणवता परीक्षण चलित लैब, थोक मछली बाजार का निर्माण सम्मिलित है।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में पटकथा लेखन पर कार्यशाला का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के सिनेमा अध्ययन विभाग में पटकथा लेखन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) के.जी.सुरेश ने की, जबकि विशेषज्ञ प्रो (डॉ) अमिताभ श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को स्क्रिप्ट राइटिंग की बारीकियों से रुबरु कराया। इस अवसर पर प्रो सुरेश ने कहा कि सिनेमा अध्ययन विभाग देश का एकमात्र ऐसा विभाग है जहां डिप्लोमा से लेकर पीएचडी तक की शिक्षा प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि यहां के विद्यार्थी फिल्मों में, धारावाहिकों में अपने अभिनय, पटकथा, निर्देशन आदि से खूब नाम कमा रहे हैं। विषय विशेषज्ञ प्रो. (डॉ.) अमिताभ श्रीवास्तव ने कहा कि प्रत्यक्षट्ठअप्रत्यक्ष रुप से फिल्में हमें प्रभावित करती हैं और कई चीजें निर्धारित करती हैं । उन्होंने कहा की आज फिल्म और डॉक्यूमेंट्री की दीवार आप टूट चुकी है । प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि फिल्म समाज का दर्पण बताता। छात्रों से उन्होंने कहा कि यदि आप स्क्रिप्ट नहीं लिख सकते हैं तो एक अच्छे एंकर नहीं बन सकते । उन्होंने कहा कि लिखना बहुत महत्वपूर्ण है । प्रो श्रीवास्तव ने कहा कि लेखक बनने के लिए लिखते आते रहना आना पहली सीढ़ी है । उन्होंने सिनेमा में स्क्रिप्ट राइटिंग के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में सिनेमा अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो(डॉ) पवित्र श्रीवास्तव ने कुलपति प्रो (डॉ) के.जी.सुरेश एवं विषय विशेषज्ञ प्रो. (डॉ)अमिताभ श्रीवास्तव का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। कार्यशाला का संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ.गजेंद्र अवासिया ने किया। कार्यशाला में सिनेमा अध्ययन विभाग एवं अन्य विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रक्त दान शिविर का आयोजन

भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय ने गुलमोहर कालोनी में ओरामॉल के सामने आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर महापौर परिषद की सदस्या श्रीमती सुषमा बाबीसा सहित एच.डी.एफसी बैंक, रेडक्रास के प्रतिनिधिगण व बड़ी संख्या में रक्तदाता मौजूद थे। महापौर श्रीमती मालती राय ने शुक्रवार को एच.डी.एफसी बैंक व रेडक्रास ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित रक्त दान शिविर का शुभारंभ किया और रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

लोअर लेक में साई सीआरसी की बोट रैली आयोजित

भोपाल । साई सीआरसी द्वारा खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2023 में भाग लेने जा रहे पैरा एथलीटों को प्रोत्साहित करने के लिए शुक्रवार 8 दिसंबर, 2023 को सुबह 10 बजे एमपी केसीए बोट क्लब, लोअर लेक, भोपाल में एक बोट रैली आयोजित की गई। कार्यक्रम के अतिथियों में संजीव शर्मा, निदेशक, एसएसबी अकादमी, विष्णु सुधाकरण, क्षेत्रीय निदेशक, साई सीआरसी भोपाल, अभिषेक सिंह चौहान, निदेशक, साई सीआरसी भोपाल, जयंत श्रीवास्तव, कार्यक्रम प्रमुख, दूरदर्शन केंद्र, भोपाल तथा पी एस बुंदेला, अध्यक्ष, एमपी केसीए शामिल थे। खेल संस्कृति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने, खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2023 को बढ़ावा देने और लोगों को इसके बारे में जागरूक करने के लिए आयोजित इस नाव रैली में 30 से अधिक कैनोइंग और कयाकिंग नौकाओं और लगभग 70+ के एंड सी एथलीटों ने भाग लिया। एशियाई खेल 2022 की रजत पदक विजेता सुश्री मनीषा कीर, पैरा एशियाई खेलों की स्वर्ण एवं रजत पदक विजेता तथा पैरालंपियन प्राची यादव, पैरा एशियाई खेल 2022 के पदक विजेता मनीष कौरव, और गजेंद्र सिंह सहित खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2023 में भाग लेने वाले प्रमुख एथलीटों को इस आयोजन के दौरान सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथियों ने बोट रैली के बाद आयोजित सभा को संबोधित किया और खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2023 में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीटों को अपनी शुभकामनाएँ दीं। खेलो इंडिया योजना, युवा मामले और खेल मंत्रालय की प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य खेल संस्कृति को विकसित करके देश में खेल उत्कृष्टता प्राप्त करते हुए पूरी आबादी को खेल की शक्ति का उपयोग करने में सक्षम बनाना है। खेलो इंडिया योजना, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपने खेल और प्रतिस्पर्धी कौशल का प्रदर्शन करने के लिए मंच प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं, यानी खेलो इंडिया यूथ गेम्स और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के आयोजन करता है। अभी तक 36 राज्यों/ संघ शासित प्रदेशों और विश्वविद्यालयों की भागीदारी से खेलो इंडिया युवा एवं विश्वविद्यालय खेलों के 8 संस्करण और शीतकालीन खेलों के 3 संस्करण सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं। इसी क्रम में, पैरा एथलीटों को बढ़ावा देने के लिए, खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2023 का पहला संस्करण दिनांक 10 से 17 दिसंबर 2023 तक दिल्ली शहर के 3 स्थानों पर 7 खेल अनुशासनों (पैरा तीरंदाजी, पार एथलेटिक्स, पैरा बैडमिंटन, पैरा टेबल टेनिस, पैरा पावरलिफ्टिंग, सीपी फुटबॉल, पैरा शूटिंग) में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से लगभग 1500 खिलाड़ी, 200 तकनीकी अधिकारी, 150 स्वयंसेवक, 350 सहायक स्टाफ, 300 रक्षक और 20 क्लासिफायर भागीदारी करेंगे।

कलेक्टर ने मिन्नी पर लगाया एनएसए, जेल भेजने के आदेश

भोपाल। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आशीष सिंह ने फारूख राईन उर्फ मिन्नी पिता शाहीन खां उम्र 29 वर्ष निवासी पानी की टंकी के पास मकान नंबर 80, साई बाबा नगर थाना हबीबगंज भोपाल को लोक व्यवस्था के अनुरक्षण के प्रतिकूल किसी भी रीति में कार्य करने से रोकने के अभिप्राय से उसको राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 की धारा 3 (2) में निरुद्ध किया है। उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) सहपठित उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह द्वारा आदेश दिया है कि फारूख राईन उर्फ मिन्नी पिता शाहीन खां उम्र 29 वर्ष निवासी पानी की टंकी के पास मकान न0 80, साई बाबा नगर थाना हबीबगंज भोपाल को निरूद्ध किया जाये तथा केन्द्रीय जेल भोपाल में रखा जाये।

पल्स पोलियो अभियान कल से

भोपाल । पल्स पोलियो अभियान का तीन दिवसीय कार्यक्रम जिले में 10 से 12 दिसम्बर तक किया जा रहा है। कार्यक्रम के लिए अनुविभागीय अधिकारी एल के खरे व्रत एम पी नगर की अध्यक्षता में शहरी हेल्थ ब्लॉक -5 की ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन शुक्रवार को किया गया। जिसमे ब्लॉक के सभी विभागीय अधिकारियों को बूथ कवरेज बढ़ाने हेतु प्रयास करने के लिए दिशा निर्देश दिए गए। इस मीटिंग में अर्बन हेल्थ ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, ए पी सी शिक्षा विभाग, सेक्टर मेडिकल ऑफिसर आदि मौजूद रहे।

भोजपाल महोत्सव मेले में सूफी नाइट, सवई भट्ट देंगे प्रस्तुति

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भेल दशहरा मैदान पर चल रहे भोजपाल महोत्सव मेले में रविवार को सूफी नाइट में इंडियन आइडल सीजन-12 फेम प्लेबैक सिंगर सवाई भट्ट अपनी प्रस्तुति देंगे। सवाई भट्ट हिमेश रेमशिया के साथ प्रस्तुति दे चुके हैं। भट्ट सूफी के साथ बॉलीवुड गानों की प्रस्तुति देंगे। वहीं शनिवार को वैशाली राय भोजपाल महोत्सव मेला के सांस्कृतिक मंच पर धमाल मचाएंगी। वैशाली राय बॉलीवुड नाइट, डांसिंग नंबर्स के साथ कई शो कर चुकी हैं। अब भोजपाल महोत्सव मेले में अपनी प्रस्तुति देने आ रही हैं।

भेल दशहरा मैदान पर चले रहे भोजपाल महोत्सव मेले में भारी भीड़ पहुंच रही है। रोजाना 15 से 20 हजार लोग परिवार के साथ पहुंच रहे हैं। मेले में सबसे ज्यादा युवाओं की टोली देखी जा रही है। मेला अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि शुक्रवार को मेला के सांस्कृतिक मंच पर रुतबा बैंड द्वारा सुमधुर प्रस्तुति दी गई। बैंड की छह सदस्यीय टीम ने रॉक गानों की प्रस्तुति देकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। महामंत्री हरीश कुमार राम ने बताया कि इस बार मेले में बच्चों के आकर्षण के लिए कई नई चीजें हैं। जिससे हम उनका मनोरंजन करा रहे हैं। मेले में लोगों को इस बार विभिन्न तरह की रंग बिरंगी मछलियों का घर संसार देखने को मिल रहा है। दुबई, सिंगापुर, मलेशिया, बैंकाक, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, और चंडीगढ़ में बनाया गया अंडर वाटर टनल अब आपको अपने शहर में लगे भोजपाल महोत्सव मेले में देखने को मिल रहा है। यहां जमीन के भीतर करीब 180 फीट लंबे अंडर वाटर टनल और फिश एक्केरियम में 300 से ज्यादा विभिन्न प्रकार की मछलियां हैं।

भोजपाल महोत्सव मेले में एक किलोग्राम से लेकर करीब 80 किलोग्राम तक की मछली देखने को मिलेगी। यहां विभिन्न प्रकार और प्रजाति की रंग-बिरंगी मछलियां भी होंगी। एक्केरियम में ले आई गई अरुपमा मछली करीब 80 किलोग्राम की है। इसकी लम्बाई करीब 6 फीट है। अंडर वाटर टनल और एक्केरियम लगाने वाले रफीक भाई ने बताया कि एक मछली की कीमत 4 से 5 लाख रुपए तक होती है।

भोजपाल महोत्सव मेले में लगाए गए अंडर वाटर टनल और एक्केरियम में एलिवेटर गार (मगरमच्छ की तरह दिखने वाली मछली), कलर ट्रेटा, व्हाइट टाइगर शार्क, फिराना (यह मछली अमेजन नदी में पाई जाती है), एंजिल फिश, इलेक्ट्रिक ईल फिश (सांप जैसी दिखने वाली मछली), टाइगर ऑस्कर, रेड पैरेट फिश (यह 6 तरह की है), लापन ट्रेड, ओरंदा गोल्डन फिश, टेली स्कोप गोल्ड, चाइनीज कोई फिश, अरवाना (यह घर में वास्तु के लिए रखी जाती है), फ्लावर ऑन फिश (यह गुडलक के लिए रखते हैं), जैड गोरामी, कैट फिश जैसी छोटी-बड़ी मछलियां देखने को मिलेंगी।

केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय सचिव ने की मप्र पॉवर सेक्टर के कार्यों की सराहना

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारत सरकार विद्युत मंत्रालय के सचिव श्री पंकज अग्रवाल ने मध्यप्रदेश के पॉवर सेक्टर में विद्युत उपभोक्ताओं के हित में चलाई जा रही योजनाओं और विद्युत प्रणाली सुदृढ़ीकरण के लिए आरडीएसएस योजनान्तर्गत किये जा रहे विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से ढाई दिन के भीतर उपभोक्ताओं को घर बैठे नवीन कनेक्शन मिलना अनूठी पहल है। श्री अग्रवाल ने आरडीएसएस योजना में सर्वे से लेकर भुगतान करने की मानवीय हस्तक्षेप रहित सूचना प्रौद्योगिकी आधारित व्यवस्था की सराहना की। श्री अग्रवाल को कंपनी द्वारा इनहाउस विकसित की गई सूचना प्रौद्योगिकी एप्लीकेशन्स और एप की जानकारी और कार्यों से अवगत कराया गया। पंकज अग्रवाल ने मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी मुख्यालय स्थित कंपनी के केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर 1912 एवं स्काडा कंट्रोल सेन्टर का अवलोकन किया। श्री अग्रवाल ने अवलोकन के दौरान उपभोक्ताओं को प्रदाय की जा रही विद्युत आपूर्ति, ट्रिपिंग और फॉल्ट की निगरानी, रेस्टोरेशन की प्रक्रिया और मॉनीटरिंग व्यवस्था के साथ ही उपभोक्ता शिकायतों को दर्ज करने और त्वरित निराकरण की प्रक्रिया का अवलोकन किया और स्काडा कन्ट्रोल सेन्टर एवं कॉल सेन्टर की व्यवस्था की सराहना की। प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री संजय दुबे, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा सहित मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारी उपस्थित थे।

भोपाल। विधानसभा चुनाव में जीतकर आए मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से भेंट की।

भोपाल। 78 वर्ष में प्रवेश पर सोनिया गांधी को पंकज शर्मा ने शुभकामनाएं दी।

कुख्यात आंतकी अबू फैजल को आजीवन कारावास की सजा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मीडिया सेल प्रभारी भोपाल दीपक बंसोड ने बताया कि 7/12/2023 न्यायालय रघुवीर प्रसाद्र पटेल विशेष न्यायाधीश के न्यायालय में विशेष प्रकरण क्रमांक 154 /2015 थाना कोतवाली खण्डवा का अपराध क्रमांक 541/2013 के आरोपी अबू फैजल को धारा 307, 395, 397, 353, 332 में दोष सिद्ध पाते हुये 4 बार आजीवन कारावास की सजा एवं 10,000 अर्थदण्ड से दण्डित का निर्णय पारित किया है। उक्त प्रकरण में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक नीरेन्द्र शर्मा एवं विक्रम सिंह द्वारा पैरवी की गई है। घटना यह है कि दिनांक 1-10-2013 को जिला जेल खंडवा से प्रतिबंधित संगठन सिमी के आरोपी अबू फैजल एजजजुददीन, शेख मेहबूब, मो. असलम, जाकिर हुसैन व अमजद खंडवा जेल तोडकर फरार हो गये थे फरार होने के उपरान्त भाग रहे थे रात्रि के समय पुलिस के आरक्षक नरेन्द्र सिंह, सुरेश, लोकेश हिरने, कुन्दन गश्त कर रहे थे आरोपियो की पुलिस के आरक्षकों से मुठ भेड हुई जिसमे सभी आरोपियो लोकेश व उसके साथियों पर जान लेवा हमला किया जिसमे सभी लोग घायल हुये अबू फैजल व उसके साथी गश्त कर रहे पुलिस आरक्षक की मोटरसाईकिल तथा रायफल लूट कर भाग गये और उन्हे सुनसान जगह पर फैक गये बाद मे पुलिस ने रायफल और मोटरसाईकिल को बरामद किया। अबू फैजल को सेधंवा मे सिमी के सदस्य खालिद व इरफान के साथ पुलिस मुठभेड मे पकडा था। जिला खंडवा थाना कोतवाली अबू फैजल व उसके साथियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 541/13 धारा 395, 397, 307, 353, 332 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया प्रकरण को खंडवा न्यायालय से भोपाल एनआईए न्यायात्रय मे स्थानांतरण किया माननीय न्यायालय द्वारा अभियोजन के साक्ष्य, तर्कों एवं दस्तावेजों पर सहमत होकर आरोपी अबू फैजल को धारा 307 भादवि मे दो बार आजीवन कारावास एवं धारा 395 एवं धारा 397 भादवि मे आजीवन कारावास की सजा दी गई। अबू फैजल को पूर्व मे भी आठ बार आजीवन कारावास की सजा हो चुकी है एवं आरोपी के विरूद्ध तीन प्रकरण अभी भी विचाराधीन है।

जीओसी सुदर्शन चक्र कोर ने दक्षिणी स्टार इलेक्ट्रिक वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

भोपाल। 263वें सेना सेवा कोर दिवस के अवसर पर भारतीय सेना द्वारा 8 दिसंबर 2023 को परिवर्तन वर्ष के रूप में मनाने की भावना को ध्यान में रखते हुए, जीओसी सुदर्शन चक्र कोर ने द्रोणाचल, भोपाल से दक्षिणी स्टार इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) रैली को हरी झंडी दिखाई। इलेक्ट्रिक कारों के स्वदेशी निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा और प्रवेग की भागीदारी वाली इस रैली का उद्देश्य हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाने के बारे में जागरूकता फैलाना है और इसे उपयुक्त रूप से %ऑलिव ग्रीन गोज़ ग्रीन थीम दी गई है। सागर, झाँसी, ग्वालियर, आगरा और मथुरा शहरों से गुजरते हुए रैली 800 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। रैली के सदस्य भारतीय समसामयिक विषयों पर जागरूकता के लिये विभिन्न सैन्य चौकियों में स्कूली बच्चों, दिग्गजों और सेना के अधिकारियों के साथ बातचीत भी करेंगे। अग्निवीर नामांकन योजना, मेक इन इंडिया, ग्राम सेवा देश सेवा, एवं श्रीअन्न को बढ़ावा देने, स्वच्छ भारत हरित भारत और वेटरन्स वी केयर सहित सेना की पहल को दर्शायेंगे। इस अवसर पर जीओसी सुदर्शन चक्र कोर ने भी पौधा रोपण किया और ओआईसी रैली को पौधे सौंपे।

चुनाव में कथा का सहारा, किसका हुआ बेड़ा पार और किसे मिली हार...?

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में जीतने के लिए नेताओं ने हर वो चीज कर डाली जो उनके बस में थी। क्या बीजेपी और क्या कांग्रेस, दोनों के बड़े-बड़े नेताओं ने हिंदुत्व कार्ड खेलकर वोट जुटाने की भरसक कोशिश की। नेताओं ने कथावाचकों को एक पल की फुरसत नहीं लेने दी। कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, पंडित प्रदीप मिश्रा और जया किशोरी की कथा की एडवांस बुकिंग तक कर ली गई। कथा के भव्य आयोजन भी हुए और काफी भीड़ भी जुटी, लेकिन क्या कथा कराने वाले नेताओं को चुनाव में जीत का आशीर्वाद मिला या नहीं। हम आपको यही बता रहे हैं।

कमलनाथ: छिंदवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने पंडित धीरेंद्र शास्त्री और प्रदीप मिश्रा की कथा कराई थी। वे बड़े अंतर से चुनाव जीते हैं। उन्होंने कांग्रेस के विवेक बंटी साहू को 36 हजार 594 वोट से हराया। कमलनाथ को 1 लाख 32 हजार 302 वोट मिले। वहीं विवेक बंटी साहू को 95 हजार 708 वोट मिले।

नरोत्तम मिश्रा: दतिया से बीजेपी प्रत्याशी और पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने चुनाव से पहले बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा का आयोजन कराया था। जब चुनावी नतीजे आए तो उन्हें निराशा हाथ लगी। कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र भारती ने उन्हें 7 हजार 742 वोट से हरा दिया। नरोत्तम मिश्रा को 81 हजार 235 वोट मिले। वहीं राजेंद्र भारती को 88 हजार 977 वोट मिले।

कमल पटेल: हरदा से बीजेपी प्रत्याशी और पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल ने चुनाव से पहले कथावाचक जया किशोरी की कथा कराई थी। वे 1 हजार से भी कम वोट के अंतर से विधानसभा चुनाव हार गए। कांग्रेस के डॉ. रामकिशोर दोगने ने कमल पटेल को 870 वोट से हराया। कमल पटेल को 93 हजार 683 वोट मिले। वहीं कांग्रेस के डॉ. रामकिशोर को 94 हजार 553 वोट मिले।

विश्वास सारंग: भोपाल की नरेला विधानसभा से बीजेपी प्रत्याशी और चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने पंडित प्रदीप मिश्रा और धीरेंद्र शास्त्री दोनों की कथा कराई थी। वे चुनाव जीत गए। उन्होंने कांग्रेस के मनोज शुक्ला को 24 हजार 569 वोट के बड़े अंतर से हराया। विश्वास सारंग को 1 लाख 24 हजार 552 वोट मिले। वहीं मनोज शुक्ला को 99 हजार 983 वोट मिले।

भूपेंद्र सिंह: मध्यप्रदेश की खुरई विधानसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी और नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह ने पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा कराई थी। वे चुनाव जीते हैं। उन्होंने कांग्रेस की रक्षा राजपूत को 47 हजार 325 वोट से हराया। भूपेंद्र सिंह को 1 लाख 6 हजार 436 वोट मिले। वहीं रक्षा को 59 हजार 111 वोट मिले।

रमेश मेंदोला: इंदौर-2 विधानसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी रमेश मेंदोला ने धीरेंद्र शास्त्री की कथा कराई थी। उन्होंने 1 लाख 7 हजार 47 वोट से चुनाव जीता। रमेश मेंदोला को 1 लाख 69 हजार 71 वोट मिले। वहीं कांग्रेस के चिंटू चौकसे को 62 हजार 24 वोट मिले।

चेतन्य कश्यप: रतलाम शहर विधानसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी चेतन्य कश्यप ने जया किशोरी की कथा कराई थी। वे 60 हजार 708 वोट के अंतर से चुनाव जीते। उन्होंने कांग्रेस के पारस सकलेचा को हराया। चेतन्य कश्यप को 1 लाख 9 हजार 656 वोट मिले। वहीं पारस सकलेचा को 48 हजार 948 वोट मिले।

जीतू पटवारी: राऊ से कांग्रेस प्रत्याशी जीतू पटवारी ने पंडित धीरेंद्र शास्त्री की कथा का आयोजन कराया था। वे चुनाव हार गए। बीजेपी के मधु वर्मा ने उन्हें 35 हजार 522 वोट से हराया। जीतू पटवारी को 1 लाख 16 हजार 150 वोट मिले। वहीं मधु वर्मा को 1 लाख 51 हजार 672 वोट मिले।

विशाल पटेल: देपालपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी विशाल पटेल ने पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा कराई थी। वे 13 हजार 698 वोट से हार गए। विशाल पटेल को 81 हजार 879 वोट मिले। वहीं बीजेपी के मनोज पटेल को 95 हजार 577 वोट मिले।

सत्यनारायण पटेल: इंदौर-5 विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी सत्यनारायण पटेल ने पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा का आयोजन कराया था। वे चुनाव में बीजेपी के महेंद्र हार्डिया से 15 हजार 671 वोट से हार गए। सत्यनारायण पटेल को 1 लाख 29 हजार 62 वोट मिले। वहीं महेंद्र हार्डिया को 1 लाख 44 हजार 733 वोट मिले।

संजय शुक्ला नहीं करा पाए जया किशोरी की कथा: हाईप्रोफाइल सीट इंदौर-1 से कांग्रेस प्रत्याशी संजय शुक्ला चुनाव से पहले जया किशोरी की कथा आयोजित कराना चाहते थे, लेकिन प्रशासन की अनुमति नहीं मिलने से नहीं करा पाए। शुक्ला का कहना था कि महीनेभर पहले कथा की अनुमति के लिए आवेदन लगाया था। पुलिस थाने से आवेदन को एसडीएम के पास भेजा गया और कहा गया कि अनुमति वहां से मिलेगी। जब हम वहां गए तो कहा गया कि आचार संहिता लगने के बाद हम अनुमति देंगे। उसके पहले तो अनुमति पुलिस विभाग देगा। अधिकारी एक-दूसरे पर अनुमति देने के मामले को टाल रहे थे। आखिरकार संजय शुक्ला को जया किशोरी की कथा रद्द करनी पड़ी। विधानसभा चुनाव में बीजेपी के कैलाश विजयवर्गीय ने संजय शुक्ला को 57 हजार 939 वोट के अंतर से हराया। विजयवर्गीय को 1 लाख 58 हजार 123 वोट मिले। वहीं संजय शुक्ला को 1 लाख 184 वोट मिले।

प्रोफेसर भावना ने बुडापेस्ट में दुर्लभ रोग पर कार्य प्रस्तुत किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

दुर्लभ बीमारियों पर 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 30 नवंबर और 1 दिसंबर को हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित किया गया। एम्स भोपाल में बाल रोग विभाग की प्रोफेसर डॉ. भावना ढींगरा ने इस सम्मेलन में भाग लिया और वैश्विक भागीदारी के साथ दुर्लभ बीमारियों के क्षेत्र में एम्स भोपाल में किए जा रहे कार्यों को प्रस्तुत किया। उन्होंने हाइपरआईजीई सिंड्रोम के साथ इम्युनोडेफिशिएंसी का एक असामान्य मामला भी प्रस्तुत किया, जिसका निदान और प्रबंधन एम्स भोपाल में किया जा रहा था। इस कार्य को सभी उपस्थित लोगों और आयोजकों ने खूब सराहा। एम्स भोपाल को हाल ही में एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा दुर्लभ बीमारियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है। संस्थान ने आनुवंशिक मूल की दुर्लभ बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न राज्य मेडिकल कॉलेजों की भागीदारी के साथ एक राज्य स्तरीय दुर्लभ रोग कार्य समूह बनाया गया है। संस्थान इन दुर्लभ विकारों से पीड़ित व्यक्तियों को सर्वोत्तम संभव देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक, प्रो डॉ. अजय सिंह ने उन्हें इस कार्य के लिए बधाई दी है।

एम्स के पुरा छात्र सेल का प्रतियोगी परीक्षाओं पर विशेष सत्र

भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स के पूर्व छात्र प्रकोष्ठ को आगामी कार्यक्रम, प्रतियोगी परीक्षाओं में स्कोरिंग की सफलता का मार्ग की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो विशेष रूप से एम्स भोपाल के एमबीबीएस और बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए तैयार किया गया है। यह कार्यक्रम 9 दिसंबर, 2023 को दोपहर 2 बजे एलटी-4 सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन में होने वाला है। इस कार्यक्रम में मेडिकल और नर्सिंग दोनों धाराओं के प्रतिष्ठित रैंक धारकों का एक पैनल शामिल होगा। वे अपने व्यक्तिगत अनुभव और तैयारी तकनीकों को साझा करेंगे जिसके कारण उन्हें अपनी संबंधित प्रतियोगी परीक्षाओं में शीर्ष रैंक हासिल हुई। इस आयोजन का उद्देश्य एमबीबीएस और बीएससी नर्सिंग छात्रों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफलता की यात्रा के लिए मार्गदर्शन और प्रेरित करना है।सम्मानित मुख्य अतिथि, एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और सीईओ, प्रोफेसर डॉ अजय सिंह, अपने अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा करेंगे जो निस्संदेह स्वास्थ्य पेशेवरों को लाभान्वित करेगा। इसके अतिरिक्त विशिष्ट अतिथि, प्रो. रजनीश जोशी, डीन शैक्षणिक, और प्रो. बालकृष्णन एस, डीन छात्र कल्याण, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के साथ इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। कार्यक्रम का आयोजन पूर्व छात्र प्रकोष्ठ के सदस्यों प्रो. जॉन ए. संतोषी, अध्यक्ष पूर्व छात्र समन्वय समिति, डॉ. रेखा लालवानी, डॉ. अभिजीत पाखरे, डॉ. शिल्पा काओरे, डॉ. शक्ति कुमार यादव, कुमारस्वामी ए.पी. और एम्स भोपाल की पूर्व छात्र परिषद द्वारा किया जाएगा। उपस्थित लोग प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए अपनी तैयारी रणनीतियों को बढ़ाने के लिए आकर्षक चर्चाओं, मूल्यवान अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक युक्तियों की अपेक्षाओं के साथ उपस्थित हो सकते हैं।

विकसित भारत संकल्प यात्रा: जन-सामान्य में योजनाओं के प्रति आयेगी जागरूकता

यात्रा को परिणाममूलक बनाने 4 स्तर पर समितियां गठित

वंचित और आकांक्षी लोगों तक समयबद्ध तरीके से पहुँचेगा योजनाओं का लाभ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जन-कल्याण की प्रमुख योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाने के लिये केन्द्र सरकार द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा'' निकाली जा रही है। इस यात्रा से यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि प्रमुख योजनाओं के प्रति जन-सामान्य में जागरूकता पैदा हो। यात्रा के दौरान योजनाओं का फीडबेक भी लिया जायेगा। साथ ही योजनाओं संबंधी आवेदन प्राप्त कर लाभार्थियों का नामांकन एवं चयन होगा। विकसित भारत संकल्प यात्रा को शत-प्रतिशत परिणाममूलक बनाने के लिये 4 स्तर पर समितियाँ गठित की गई हैं।

जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति: विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल क्रियान्वयन के लिये जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति गठित की जायेगी। यह समिति तिथिवार, पंचायतवार रूटचार्ट एवं कार्यक्रमों का निर्धारण करेगी। जिले से कार्यक्रम की मॉनीटरिंग, प्रचार-प्रसार, समन्वय एवं रिपोर्टिंग आदि का कार्य करेगी। इस समिति में जिला कलेक्टर अध्यक्ष होंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सदस्य सचिव एवं समिति के सदस्यों में विकास विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, भारत सरकार के अधीन विभाग के 2 नामित सदस्य, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं कलेक्टर द्वारा नामित अन्य सदस्य शामिल होंगे।

नगरीय निकाय स्तर की समिति: विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल क्रियान्वयन के लिये द्वितीय स्तर पर नगरीय निकाय स्तरीय समिति गठित की जायेगी। नगरपालिका एवं नगर निगम में कलेक्टर अध्यक्ष होंगे और नगर परिषदों में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को अध्यक्ष बनाया गया है। आयुक्त नगरपालिक निगम अथवा मुख्य नगरपालिका अधिकारी (नगर परिषद) सदस्य सचिव होंगे। विकास विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी सदस्य होंगे। इसके अलावा कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं आयुक्त नगरपालिका द्वारा नामांकित अन्य सदस्य समिति के सदस्य होंगे। यह समिति नगरीय क्षेत्र में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत कार्यक्रम की मॉनीटरिंग, प्रचार-प्रसार, समन्वय, रिपोर्टिंग आदि कार्य करेगी।

जनपद पंचायत स्तरीय क्रियान्वयन समिति: विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत जनपद स्तरीय कार्यक्रम के क्रियान्वयन एवं मॉनीटरिंग के लिये जनपद स्तरीय क्रियान्वयन समिति गठित की जायेगी। इस समिति के अध्यक्ष अनुविभागीय अधिकारी राजस्व होंगे एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत समिति के सदस्य सचिव होंगे। विकास विभागों के खण्ड स्तरीय अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा नामांकित व्यक्ति समिति के सदस्य होंगे।

ग्राम पंचायत स्तरीय समिति: विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यक्रम के क्रियान्वयन एवं मॉनीटरिंग के लिये ग्राम पंचायत स्तर पर समिति गठित की जायेगी। ग्राम पंचायत के सरपंच समिति के अध्यक्ष होंगे एवं पंचायत सचिव समिति के सदस्य सचिव तथा विकास विभागों के समस्त पंचायत स्तरीय अधिकारी समिति के सदस्य होंगे।

स म्पा द की य

फिर सत्र शुरू...फिर से हंगामा!

पांच राज्यों के चुनावों के बाद शुरू हुए संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की रिपोर्ट पेश हुई और उनकी सदस्यता निरस्त कर दी गई। इसके बाद स्वाभाविक तौर पर हंगामा हुआ, क्योंकि यह सब पूर्वनिर्धारित जैसा ही था। महुआ सत्तापक्ष के निशाने पर शुरू से ही रही हैं, क्योंकि वह सत्ता पर जमकर हमला करती आई हैं। लेकिन अब सवाल यह उठता है कि क्या प्रधानमंत्री ने विपक्ष से संसद में अच्छा माहौल रखने और चर्चा की बात कही थी, उस पर अमल हो पाएगा?

सामान्यतया पर संसद का शीतकालीन सत्र इतने गर्म राजनीतिक माहौल में शुरू नहीं होता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोमवार को संसद भवन पहुंचने के बाद हलके-फुलके अंदाज में इस ओर संकेत किया, लेकिन अगर किसी को भी इस सत्र के शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होने का भ्रम रहा होगा तो वह पहले ही दिन दूर हो गया होगा। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान यह साफ कर दिया कि सत्र के दौरान अगले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर की जाने वाली पोजिशनिंग ही निर्णायक साबित होगी। पीएम मोदी ने कहा कि बेहतर होगा विपक्ष चुनाव नतीजों का गुस्सा सदन में निकालने की कोशिश न करे। जाहिर है, सत्ता पक्ष यह मानकर चल रहा है कि विपक्ष का रुख आक्रामक होगा। इसके कई और संकेत पहले से मिल रहे हैं।

जिन मसलों पर पहले से सत्ता पक्ष और विपक्ष में तलवारें खिंची हुई हैं, उनमें एक प्रमुख मुद्दा है तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा से जुड़ा कैश फॉर क्वेश्चन संबंधी आरोपों का। इस मामले में एथिक्स कमिटी की रिपोर्ट संसद में पेश की गई, लेकिन वह पहले ही लीक हो चुकी थी। इसमें कथित तौर पर की गई महुआ मोइत्रा को संसद से निष्कासित करने की सिफारिश पर लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी स्पीकर को पत्र लिख चुके हैं कि ऐसा कदम उठाना सही नहीं होगा। तृणमूल कांग्रेस एथिक्स कमिटी की रिपोर्ट पर संसद में विस्तृत चर्चा की मांग कर रही थी, लेकिन चर्चा नहीं हुई और महुआ की सदस्यता निरस्त कर दी गई।

करीब 18 दिन चलने वाले इस सत्र के दौरान सबकी नजरें विपक्षी दलों की आक्रामकता पर ही नहीं उनके आपसी तालमेल पर भी रहेगी, क्योंकि विधानसभा चुनावों में विपक्ष को अपेक्षित नतीजे नहीं मिले और न ही तालमेल की कोशिश की गई। यह देखना महत्वपूर्ण है कि लोकसभा चुनावों से ठीक पहले हुए विधानसभा चुनावों में मिले प्रतिकूल नतीजों का कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के जोश पर कितना और कैसा प्रभाव पड़ा है? क्या इंडिया गठबंधन को कायम रखने और उसे आगे बढ़ाने को लेकर उनका संकल्प पहले जितना ही मजबूत है या उसमें किसी तरह की कमजोरी आई है? वैसे तो बैठक बुलाने को लेकर ही विवाद जैसी स्थिति बनती दिखी, तुरंत उसे सम्हाल भी लिया गया।

इन मुद्दों पर ज्यादा प्रकाश इंडिया गठबंधन के घटक दलों की चौथी बैठक के दौरान ही पड़ेगा, जो 6 दिसंबर को दिल्ली में ही होनी थी और टाल दी गई। फिलहाल तो सदन के अंदर विपक्षी दलों के आपसी सामंजस्य और तालमेल में भी उसकी स्पष्ट झलक मिलेगी। जहां तक इस सत्र में पेश होने वाले बिलों की बात है तो मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा बिल ही नहीं इंडियन पीनल कोड, इंडियन एविडेंस एक्ट और क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की जगह लाए जाने वाले बिलों समेत करीब 21 विधेयक इस सत्र में पेश किए जा रहे हैं।

होना तो यह चाहिए कि सदन में आरोप-प्रत्यारोप और हंगामे-वॉकआउट, बहिष्कार वगैरह के बीच भी सत्ता पक्ष और विपक्ष इस बात की गुंजाइश बनाएं कि तमाम महत्वपूर्ण बिलों के अलग-अलग पहलुओं पर विस्तृत बातचीत और बहस जरूर हो। संसद के मंच पर विपक्ष की असहमति ही नहीं, उसके विचार भी दर्ज होने चाहिए। लेकिन जिस तरह से महुआ की सदस्यता समाप्त करके सत्तापक्ष ने विपक्ष पर हमला कर दिया है, उससे ऐसा नहीं लगता कि विपक्ष शांत बैठेगा। हां, इस नाराजगी के बीच भी कायदे से विपक्ष को एक तरफ तो अपने मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाना चाहिए। जनता के बीच भी यह संदेश पहुंचे कि वो जन हित के मुद्दों के प्रति कितना गंभीर है। दूसरे, सत्तापक्ष की तरफ से पेश किए जाने वाले विधेयकों पर भी पूरी गंभीरता से चर्चा हो। इन विधेयकों को विपक्ष पारित होने से रोक तो सकता नहीं है, कम से कम उनमें यदि कोई कमी है, तो उसका खुलासा तो कर ही सकता है। यदि हंगामे और नारेबाजी में ही सत्र समाप्त होता है, तो किसी का कोई भला होने वाला नहीं है। विपक्ष भले ही इसके लिए सत्तापक्ष को जिम्मेदार माने, लेकिन जिम्मेदार तो दोनों ही पक्ष माने जाते हैं। और फिर, जनता में विपक्ष की प्रभावी अपील भी नहीं है।

कमलनाथ के बाद कौन सम्हालेगा मप्र कांग्रेस की कमान?

हरीश दिवेकर

बीजेपी की जीत के बाद सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि अब अगला सीएम कौन होगा। ये सस्पेंस अभी 10 दिसंबर तक कायम रहेगा। सीएम कौन होगा इसका खुलासा विधायक दल के बाद हो ही जाएगा। बीजेपी डिप्टी सीएम बनाएगी या नहीं। या जो दिग्गज सांसद जीत कर विधायक बने हैं, उनकी क्या भूमिका होगी। और, भी बहुत से सवाल हैं जिनके जवाब का इंतजार है। चंद रोज में इन सवालों के जवाब भी साफ हो जाएंगे। बीजेपी की तरह ही कांग्रेस के पास भी अब चेहरे का संकट है। एक नहीं तीन चेहरे कांग्रेस को ऐसे तलाशने हैं जो बड़ी जिम्मेदारी संभाल सकें, लेकिन मुश्किल ये है कि कई बड़े चेहरे अप्रत्याशित रूप से चुनाव हार चुके हैं। ऐसे में इस हार के बाद अगर कमलनाथ भी प्रदेश छोड़कर दिल्ली का रुख कर लेते हैं तो मध्यप्रदेश में कांग्रेस का कर्ताधर्ता कौन होगा।

अभी तो सबकी नजरें कमलनाथ पर टिकी

फिलहाल कांग्रेस में प्रदेशाध्यक्ष की कमान खुद कमलनाथ के हाथ में हैं। इसके अलावा नेता प्रतिपक्ष थे गोविंद सिंह, जो खुद लहार से चुनाव हार चुके हैं। सो, इस पद पर बने रहने का उनका कोई सवाल ही नहीं उठता। अभी तो सबकी नजरें कमलनाथ पर टिकी हैं। क्योंकि उनकी जिम्मेदारी का फैसला हमेशा से उनका ही रहा है। कांग्रेस के सीनियरमोस्ट नेताओं में से एक कमलनाथ खुद आलाकमान की फेहरिस्त के हिस्से में ही आते हैं। लिहाजा वो क्या करेंगे ये वही तय करेंगे। वो दिल्ली जाएंगे तो नेता प्रतिपक्ष के साथ-साथ पीसीसी चीफ के चेहरे की भी तलाश करनी होगी। अगर वो दिल्ली नहीं जाते हैं तो क्या खुद ही अध्यक्ष रहेंगे और नेता प्रतिपक्ष भी बन जाएंगे। या पहले कि तरह नेता प्रतिपक्ष का पद ही किसी और के सुपुर्द करेंगे।

कांग्रेस को किसी मुफीद चेहरे की दरकार

सवाल तो कई हैं, लेकिन जवाब बहुत मुश्किल। क्योंकि एक लाइन से कांग्रेस के वो सभी चेहरे हार चुके हैं जिनकी वजनदारी पीसीसी से लेकर विधानसभा तक में थी। गोविंद सिंह के अलावा, सज्जन सिंह वर्मा, जीतू पटवारी, तरुण भानोट, केपी सिंह, लक्ष्मण सिंह, तरुण भनोट, सुखदेव पांसे, डॉ. विजयलक्ष्मी साधौ, पीसी शर्मा, हुकुम सिंह कराड़ा, कमलेश्वर पटेल, लाखन सिंह यादव और कुणाल चौधरी चुनाव हार चुके हैं। ये वो नेता थे जो 15वीं विधानसभा में मुख्य भूमिका में थे, लेकिन इस बार इन सभी को हार का सामना करना पड़ा है। अब ये पीसीसी चीफ का पद तो संभाल सकते हैं, लेकिन नेता प्रतिपक्ष या विधानसभा उपाध्यक्ष का पद नहीं संभाल सकते। इन पदों के लिए कांग्रेस को किसी मुफीद चेहरे की दरकार है। जो जानकार भी हो और विधायकों की छोटी सी गिनती के साथ विधानसभा में कांग्रेस का दम भी दिखा सके।

फिलहाल कांग्रेस के पास पांच नाम ऐसे हैं जिन पर भरोसा किया जा सकता है...

अजय सिंह

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह एक बार फिर इस पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। उन्होंने अपनी परंपरागत चुरहट विधानसभा सीट से बड़ी जीत हासिल की है। अजय सिंह पहले भी दो बार यह नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। ऐसे में इस बार भी वह इस पद के प्रबल दावेदार हैं, क्योंकि वर्तमान में कांग्रेस की तरफ से 16वीं विधानसभा में अजय सिंह ही सबसे सीनियर विधायक हैं।

रामनिवास रावत

ग्वालियर-चंबल अंचल से रामनिवास रावत ने भी विजयपुर विधानसभा सीट पर जोरदार वापसी की है। रावत भी नेता प्रतिपक्ष बनाए जा सकते हैं, वह ओबीसी वर्ग से आते हैं, ऐसे में कांग्रेस उन पर भी दांव लगा सकती है।

बाला बच्चन

बाला बच्चन राजपुर विधानसभा सीट से चुनाव जीते हैं, आदिवासी वर्ग से आने के चलते उनका भी दावा मजबूत माना जा रहा है, खास बात यह है कि बाला बच्चन पहले भी कार्यवाहक नेता प्रतिपक्ष और उप नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

राजेन्द्र सिंह

राजेन्द्र सिंह विधानसभा उपाध्यक्ष रह चुके हैं, इन्हें संसदीय ज्ञान का अच्छा खासा अनुभव भी है। हालांकि, उनकी उनके भांजे अजय सिंह से पटरी नहीं बैठती है, ऐसे में अजय सिंह उनका अंदरखाने में विरोध कर सकते हैं।

उमंग सिंघार

उमंग सिंघार भी लगातार चौथी बार विधानसभा चुनाव जीते हैं। तेज तर्रार सिंघार कांग्रेस की दिग्गज नेता रही स्वर्गीय जमुना देवी के भतीजे हैं, वह राहुल गांधी के करीबी भी माने जाते हैं, ऐसे में सिंघार पर भी कांग्रेस दांव लगा सकती है। सिंघार के नाम पर कमलनाथ भी सहमति जता सकते हैं। उनके जरिए कांग्रेस आदिवासी तबके को तवज्जो दे सकती है।

जयवर्धन सिंह

अगर कांग्रेस युवा जोश को तरजीह देती है तो फिर जयवर्धन सिंह इस मामले में सबसे फिट बैठ सकते हैं। वह लगातार तीसरी बार राघौगढ़ विधानसभा सीट से चुनाव जीते हैं। ऐसे में वह भी नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी निभा सकते हैं। कांग्रेस में इस बार कई बड़े नेताओं को हार का सामना करना पड़ा है।

किसी हारे हुए प्रत्याशी पर कांग्रेस ये दांव खेलेगी ?

नेता प्रतिपक्ष और विधानसभा उपाध्यक्ष के नाम की तलाश के बाद पीसीसी चीफ की तलाश भी मुश्किल ही साबित होगी। अगर कमलनाथ ये पद छोड़ देते हैं तो। कमलनाथ के बाद पहला विकल्प ये है कि वो लोकसभा तक इस पद पर बने रहें, लेकिन उससे पहले ही उनका फैसला दिल्ली जाने का हो जाता है तो इस पद पर एक नए चेहरे की तलाश करनी होगी। गोविंद सिंह, जीतू पटवारी या अरूण यादव इसके दावेदार हो सकते हैं जो पहले भी अध्यक्ष रहे हैं। पर, क्या किसी हारे हुए प्रत्याशी पर कांग्रेस ये दांव खेलेगी या ये दांव खेलना फायदेमंद होगा।

कांग्रेस और बीजेपी दोनों को फिलहाल कई सवालों के जवाब खोजने हैं।

बीजेपी की नजर कांग्रेस की एकमात्र लोकसभा सीट छिंदवाड़ा पर

इस विधानसभा चुनाव के बाद दोनों पार्टियों के सामने हालात अलग तरह के हैं। बीजेपी के पास दिग्गजों की फौज जमा हो चुकी है जिन्हें एडजस्ट करना है तो कांग्रेस के अधिकांश दिग्गज घर बैठ चुके हैं। अब कुछ नए कुछ पुराने और कुछ अधपके चेहरों के बीच कांग्रेस को ऐसा चेहरा तलाशना है जो लोकसभा में पार्टी को थोड़ी मजबूती दे सके। वर्ना बीजेपी की रणनीति इस तरफ इशारा कर रही है कि अब उसकी नजर कांग्रेस की एकमात्र लोकसभा सीट छिंदवाड़ा की तरफ है। यानी कमलनाथ का ध्यान बंटना भी जायज है। अब आने वाले फैसले तय करेंगे कि लोकसभा में कांग्रेस का हाल क्या होगा।

अब कांग्रेस को कुछ नया करना होगा

राकेश दुबे

हाल ही में सम्पन्न विधान सभा चुनाव कांग्रेस के लिए संकेत हैं कि वह कुछ नया करे।इन चुनाव परिणामों के आने के बाद ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, लालू यादव, स्टालिन, अखिलेश यादव इत्यादि सभी ने इंड़ी की बैठक में आने से इंकार कर दिया तो कांग्रेस को इंडी की यह बैठक ही स्थगित करनी पड़ी।मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलांगना और मिजोरम समेत पांचों राज्यों की विधानसभाओं के लिए हुए चुनावों के नतीजे माह के प्रथम सप्ताह में आ गए थे। कुछ महीने बाद ही 2024 में देश की लोकसभा के लिए चुनाव होने वाले हैं। इसलिए देश की राजनीति में इनकी महत्ता ही नहीं बढ़ गई थी, बल्कि सभी राजनीतिक दलों का पारा भी जरूरत से ज्यादा चढ़ गया था। जहां तक इन चुनावों के नतीजों का सवाल है, भाजपा ने तीनों हिन्दी प्रदेशों यानी मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में जीत हासिल कर ली है। छत्तीसगढ़ और राजस्थान में उसने कांग्रेस से सरकार छीनी है और मध्य प्रदेश में अपनी सरकार बरकरार रखी है।

मध्य प्रदेश विधानसभा की 230 सीटों में से भाजपा ने 163 पर जीत हासिल की। कांग्रेस के हिस्से केवल 66 सीटें आईं। राजस्थान विधानसभा की कुल 200 सीटों में से भाजपा ने 115 पर जीत हासिल की और कांग्रेस को 69 सीटें ही मिलीं। छत्तीसगढ़ विधानसभा की 90 सीटों में से भाजपा को 54 और कांग्रेस को 35 सीटें मिलीं। तेलंगाना विधानसभा में कुल 119 सीटें हैं। वहां अभी तक भारत राष्ट्र समिति की सरकार थी। कांग्रेस ने वह सरकार उससे छीन ली है। भाजपा ने 8 सीटें जीती हैं। ओवैसी का हैदराबाद और उसके आसपास थोड़ा असर लम्बे अरसे से है।

उसने 7 सीटें जीती हैं। वैसे वह लम्बे अरसे से सात सीटें ही जीतता रहा है।

भाजपा के लिए तो यहां इससे भी बड़ा सवाल था। क्या भाजपा की यह दक्षिण यात्रा जारी रहेगी या फिर तेलंगाना इसको रोक देगा? 2018 के विधानसभा चुनावों में भाजपा यहां केवल एक सीट जीत पाई थी। उसके बाद हुए दो उपचुनावों में भाजपा ने दो सीटें और जीत लीं। पिछले साल ही मीडिया में यह चर्चा भी होने लगी थी कि भाजपा तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति को पराजित करने की हालत में पहुंच गई है।यह शायद अतिशयोक्ति ही थी। भाजपा ने आठ सीटें और चौदह प्रतिशत वोट लेकर स्थापित कर दिया है कि उसने दक्षिण के इस राज्य में भी हाशिए से बाहर निकल कर स्वयं को प्रदेश की राजनीति के केन्द्र में स्थापित कर लिया है। कांग्रेस की सबसे बड़ी चिन्ता यही है कि पूर्व, पश्चिम और उत्तर के बाद अब भाजपा ने दक्षिण की ओर भी बढना शुरू कर दिया है।

बात मिजोरम की । मिजोरम ईसाई प्रदेश है। इसकी जनसंख्या मात्र ग्यारह लाख है जिसमें से चार लाख लोग इसकी राजधानी आईजोल में ही रहते हैं। मिजोरम की विधानसभा में चालीस सीटें हैं। इनमें से चौदह सीटें आईजोल में ही हैं। पिछले लम्बे अरसे से वहां मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) नाम के क्षेत्रीय दल की सरकार थी। लेकिन इस बार जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जैडपीएम) नाम के दल ने उससे सत्ता छीन ली है। एमएनएफ को दस सीटें मिलीं जबकि जैडपीएम 27 सीटें ले गया। भाजपा को दो और कांग्रेस को एक सीट मिली। मिजोरम विधानसभा की दो सीटें ऐसी हैं जहां चकमा ही जीतते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के पास पांच सीटें थीं और भाजपा के पास एक सीट थी। मिजो समुदाय और कूकी समुदाय को एक ही माना जाता है। इसलिए मणिपुर की स्थिति के कारण ऐसा माना जा रहा था कि मिजोरम में इस बार भाजपा को लोग नजदीक नहीं फटकने देंगे, बल्कि कांग्रेस जीत जाएगी।

लगभग तीस ज्ञात-अज्ञात पार्टियों से मिल कर जो इंडी एलायंस बनाया था, जिसमें कांग्रेस ने स्वयं ही अपने आपको इंडी एलायंस की धुरी मान कर व्यवहार करना शुरू कर दिया था, उसकी हवा इन चुनाव परिणामों ने निकाल दी है। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने इंडी एलायंस के सभी घटकों की बैठक छह दिसम्बर को बुलाई थी, लेकिन चुनाव परिणाम आने के बाद ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, लालू यादव, स्टालिन, अखिलेश यादव इत्यादि सभी ने इस बैठक में आने से इंकार कर दिया तो कांग्रेस को अपनी इंडी की यह बैठक ही स्थगित करनी पड़ी। इस तरह ये चुनाव कांग्रेस के लिए संकेत हैं कि वह कुछ नया करे।

विश्व मानवाधिकार दिवस पर विशेष

मानवाधिकार महज एक मजाक बनकर न रह जाये

- ललित गर्ग-

विश्व युद्ध, आतंकवाद एवं असंतुलित समाज रचना की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस करने की दृष्टि से संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने विश्व मानवाधिकार दिवस घोषित किया। प्रत्येक वर्ष 10 दिसम्बर को यह दिवस दुनियाभर में मनाया जाता है। दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक 'मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा है, इस वर्ष उसकी 75वीं वर्षगांठ है। इस वर्ष मानवाधिकार दिवस की थीम 'सभी के लिए स्वतंत्रता, समानता और न्याय' है, जो मानव के अस्तित्व एवं अस्मिता को अक्षुण्ण रखने के संकल्प को बल देता है। किसी भी इंसान की जिंदगी, आजादी, बराबरी और सम्मान का अधिकार है- मानवाधिकार। यह दिवस एक मील का पत्थर है, जिसमें समृद्धि, प्रतिष्ठा, न्याय एवं शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित होती है।

विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र का मुख्य विषय शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारी, आवास, संस्कृति, खाद्यान्न व मनोरंजन से जुड़ी मानव की बुनियादी मांगों से संबंधित है। विश्व के बहुत से क्षेत्र गरीबी से पीड़ित है, जो बड़ी संख्या वाले लोगों के प्रति बुनियादी मानवाधिकार प्राप्त करने की सबसे बड़ी बाधा है। उन क्षेत्रों में बच्चे, वरिष्ठ नागरिकों व महिलाओं के बुनियादी हितों को सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। इसके अलावा नस्लवादी भेद मानवाधिकार कार्य के विकास को बड़ी चुनौती दे रहा है। इसी तरह आदिवासी एवं दलितों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार भी मानवाधिकार का बड़ा मुद्दा है। महिलाओं, बच्चों एवं वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़नाएं भी मानवाधिकार के सम्मुख बड़े संकट हैं। बात पेट जितनी पुरानी और भूख जितनी नई है मानवाधिकार की। दुनिया में जहां-जहां भी संघर्ष चल रहे हैं, चाहे सत्ता परिवर्तन के लिए हैं, चाहे अधिकारों को प्राप्त करने के लिए, चाहे जाति, धर्म और रंग के लिए वहां-वहां मानवाधिकारों की बात उठाई जाती रही है। हमारे देश में भी वक्त चाहे राजशाही का था, चाहे विदेशी हुकूमत का और चाहे स्वदेशी सरकार का हर समय किसी न किसी हिस्से में संघर्ष चलते रहते हैं। डेढ़ सौ करोड़ के देश में विचार फर्क और मांगों की लंबी सूची का होना स्वाभाविक है।

भारतीय संविधान मानवाधिकार की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोड़ने वाले के लिये कठोर सजा का प्रावधान किया गया है। भारत में 28 सितंबर, 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर, 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं, जैसे- बाल मजदूरी, एचआईवी, एड्स, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार आदि। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मानवाधिकारों के लिये सतर्क एवं प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा भी कि एक ऐसे समय में जब पूरी दुनिया विश्व युद्ध की हिंसा में झुलस रही थी, भारत ने पूरे विश्व को 'अधिकार और अहिंसा' का मार्ग सुझाया।

भारत आत्मवत सर्वभूतेषु के महान आदर्शों, संस्कारों और विचारों को लेकर चलने वाला देश है। आत्मवत सर्वभूतेषु यानि जैसा मैं हूं वैसे ही सब मनुष्य हैं। मानव-मानव में, जीव-जीव में भेद नहीं है। भारत ने लगातार विश्व को समानता और मानव अधिकारों के जुड़े विषयों पर नया विजन दिया है। बीते दशकों में ऐसे कितने ही अवसर विश्व के सामने आए हैं, जब दुनिया भ्रमित हुई है, भटकी है। लेकिन भारत मानवाधिकारों के प्रति हमेशा प्रतिबद्ध रहा है, संवेदनशील रहा है। निश्चित ही नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र पर चल रहा है। ये एक तरह से मानव अधिकार को सुनिश्चित करने की ही मूल भावना है।

तमाम प्रयासों के बावजूद मानव अधिकारों के हनन में हमारा देश पीछे नहीं है। आजादी के इतने सालों बाद भी बंधुआ मजदूरी को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सका है। बाल मजदूरी जो एक मासूम की जिंदगी के साथ खिलवाड़ है, वह भी खुलेआम होता है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी आज भी मुंह बाए खड़ी हैं। रोटी, कपड़ा और मकान जो लोगों की मूलभूत आवश्यकताएँ हैं वे भी हमारी सरकार पूरी नहीं कर पा रही हैं। शिक्षा का अधिकार, भोजन का अधिकार, रोजगार का अधिकार, स्वच्छ जीवन का अधिकार- ये सभी बुनियादी अधिकारों का हनन होना आज के तिथि में एक घिनौना पाप है, त्रासदी है, विडम्बना है।

अगर आज भी हमारे देश के लोगों को जाति के नाम पर, धर्म के नाम पर, संप्रदाय के नाम पर, भाषा के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर भेदभाव का शिकार होना पड़ता है तो लानत है इस देश के लोगों पर और यहाँ की सरकार पर। सरकारें यदि ईमानदारी से प्रयत्न करती तो इन समस्याओं को सालों पूर्व खत्म कर सकती थी लेकिन नहीं, सरकार और सरकार में बैठे उनके अफसर इनके अधिकारों की रक्षा नहीं करते बल्कि अधिकतर मामलों में अत्याचारियों, बाहुबलियों, अमीरों का साथ देकर बेबस और लाचार लोगों पर बर्बर व्यवहार करते हैं। आज भी देश में बहुत सारे ऐसे जगह हैं जहाँ लोग खुलकर साँस भी नहीं ले पा रहे हैं। दिल्ली में प्रदूषण की समस्या एक मानवाधिकार की बड़ी समस्या है। इलाज के नाम पर एवं शिक्षा के नाम पर जो लूट-खसोट सरेआम होती है, वह भी मानवाधिकार का खुला उल्लंघन है। जनता हर दिन राज्य के पुलिस और सैनिकों के मनमाने उपद्रवों की शिकार हो रही हैं।

मानव अधिकारों के साथ उनके कर्तव्य भी जुड़े होते हैं, उनका भी पालन अतिआवश्यक है। विश्व मानवाधिकार दिवस इन्ही मानवीय अधिकारों को बरकरार रखने और उनके हनन के खिलाफ आवाज बुलंद करने का सशक्त माध्यम है। मानवाधिकार के संरक्षण के लिए और विशेषाधिकारों (स्वयं प्राप्त) के प्रतिबंध के लिए कौन लड़ेगा? साम्प्रदायिक दंगे, चोरी, लूट, महिलाओं पर अत्याचार, नशीली वस्तुओं का गैर कानूनी धंधा, रोजमर्रा की बात हो गई है। शांति-प्रिय नागरिकों का जीना मुश्किल हो गया है। जन प्रतिनिधियों और राजनीतिज्ञों पर लोगों का विश्वास नहीं रहा। कौन बचाएगा मानवाधिकार को? कौन रेखा खीचेगा असामाजिक तत्वों और सामान्य नागरिक के मानवाधिकारों के बीच? राष्ट्र के सर्वोच्च मंच लोकसभा के अध्यक्ष के आसन पर लिखा है-धर्म-चक्र प्रवर्तनार्थ। धर्म के चक्र को न्यायपूर्वक चलाएं, इसे रुकने न दें। इसमें इतना और जोड़ें-न्याय के चक्र को धर्मपूर्वक चलाएं।

देश में आदिवासी दोयम दर्जे के नागरिक जैसा जीवनयापन कर रहे हैं। जबकि केंद्र सरकार आदिवासियों के नाम पर हर साल हजारों करोड़ रुपए का प्रावधान बजट में करती है। इसके बाद भी आजादी के अमृतकाल में उनकी आर्थिक स्थिति, जीवन स्तर में कोई बदलाव नहीं आया है। स्वास्थ्य सुविधाएँ, पीने का साफ पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं आदि मूलभूत सुविधाओं के लिए वे आज भी तरस रहे हैं। आदिवासी अब भी समाज की मुख्य धारा से कटे नजर आते हैं। इसका फायदा उठाकर नक्सली उन्हें अपने से जोड़ लेते हैं। सरकार आदिवासियों को लाभ पहुँचाने के लिए उनकी संस्कृति और जीवन शैली को समझे बिना ही योजना बना लेती हैं। ऐसी योजनाओं का आदिवासियों को लाभ नहीं होता, अलबत्ता योजना बनाने वाले जरूर फायदे में रहते हैं।

युद्ध हमेशा मानवता के खिलाफ होता है। रूस और यूक्रेन, इजरायल एवं हमाम के युद्ध के दौरान मानव व्यक्तित्व और मानवाधिकार का जो उल्लंघन हो रहा है, उसने संपूर्ण विश्व के शांतिवादियों को आन्दोलित कर दिया और यह सर्वत्र अनुभव किया जाने लगा कि यदि मानव के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कोई कारगर कदम नहीं उठाया गया, तो मानवाधिकार महज एक मजाक बनकर रह जाएगा। मानवाधिकार दिवस एक प्रेरणा है, एक संकल्प है मानव को सम्मानजनक, सुरक्षित, सुशिक्षित एवं भयमुक्त जीवन का। जीवन के चौराहे पर खड़े होकर कोई यह सोचे कि मैं सबके लिये क्यों जीऊं? तो यह स्वार्थ-चेतना मानवाधिकार की सबसे बड़ी बाधा है। हम सबके लिये जीयें तो फिर न युद्ध का भय होगा, न असुरक्षा की आशंका, न अविश्वास, न हिंसा, न शोषण, न संग्रह, न शत्रुता का भाव, न किसी को नीचा दिखाने की कोशिश, न किसी की अस्मिता को लूटने का प्रयत्न। मानव जीवन के मूलभूत अधिकारों का हनन को रोकना एवं सारे निषेधात्मक भावों की अस्वीकृति का निर्माण ही नया मानव जीवन निर्मित कर सकेंगे और यही मानवाधिकार दिवस की सार्थकता होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

विश्व हिंदू परिषद ने अक्षत कलश की निकाली भव्य शोभा यात्रा

ओबेदुल्लागंज। विश्व हिंदू परिषद के तत्वाधान में अयोध्या से आए हुए मंत्रउच्चरित अक्षत कलश शोभा यात्रा नगर के हनुमान मंदिर बस स्टैंड से होते हुए मुख्य मार्ग पर भ्रमण करते हुए संघ कार्यालय पर आकर समापन हुआ जिसमें नगर की मातृशक्ति, व्यापारिक बंधु, सभी अनुसांगिक संगठन के कार्यकर्ता व समाज की सज्जन शक्ति इस यात्रा में सम्मिलित हुए।समापन कार्यक्रम में संघ कार्यालय पर विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष संजीव बंसल का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ आगामी समय में 1 जनवरी से लेकर 15 जनवरी के मध्य प्रत्येक गांव तक पहुंचने का अभियान है जिसमें राम मंदिर का चित्र, पत्रक,अक्षत आमंत्रण के रूप में दिए जाएंगे। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के समय प्रत्येक ग्राम में बड़े कार्यक्रमों की योजना बनेगी जिसमें सुंदरकांड,भजन कार्यक्रम, टीवी पर सामूहिक दर्शन कार्यक्रम का अनुरोध रहेगा। दिवाली की पुनरावृत्ति करते हुए एक भव्य दिवाली मनाने का संकल्प लेकर जन जागरण करने का कार्यक्रम तय हुआ है।

पार्टी विरोधी कार्य करने पर भाजपा ने 6 पदाधिकारियों को किया पार्टी से निष्कासित

बैरसिया। विधानसभा चुनाव के दौरान बैरसिया विधानसभा से भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी विष्णु खत्री के विरुद्ध पार्टी विरोधी कार्य करने पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष केदार सिंह मंडलोई ने प्रदेश संगठन की सहमति के बाद शुक्रवार को 6 पदाधिकारियों को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से 6 वर्षों के लिये निष्कासित कर दिया है। इसमें भाजपा जिला उपाध्यक्ष जसवंत सिंह सोलंकी (कोलूखेड़ी), पूर्व मंडल अध्यक्ष सुनील पुरोहित (नरेला दामोदर), जिला कार्यसमिति सदस्य वीर सिंह बघेल (मेंगरा कलां), जिला कार्यसमिति सदस्य महेंद्र सिंह राठौड़ (कुल्होर), भाजपा हरसिद्ध मंडल उपाध्यक्ष अखलेश गौर (रुनाह) एवं भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष दीपक मीणा रुद्र (काढैया शाह) को 6 वर्षों के लिए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष केदार सिंह मंडलोई ने बताया कि यह तो शुरुआती नाम सामने आये थे। उन पर कार्यवाही की गई है। आगे जिन-जिन भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारियों द्वारा हमारे अधिकृत प्रत्याशी विष्णु खत्री के विरूद्ध पार्टी विरोधी कार्य किया है। उन सभी पर प्रदेश संगठन की सहमति से निष्कासन की कार्यवाही की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस 10 को मनाया जाता है

सीहोर। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस 10 दिसम्बर को मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस सभी के लिए स्वास्थ्य के बिना कोई सम्मान, स्वतंत्रता और न्याय नहीं हो सकता 10 दिसंबर 2023 को मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 75वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी। हर साल संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिन को मनाने की थीम की घोषणा की जाती है। इसका मतलब है कि स्वास्थ्य सभी लोगों के लिए एक मौलिक मानव अधिकार है. भारतीय संविधान के भाग 3 में मौलिक अधिकारों का उल्लेख किया गया है और राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का उल्लेख भाग 4 में किया गया है। संभवत~ संसार के किसी भी संविधान में मूल अधिकारों का इतना व्यापक और विशद वर्णन नहीं किया गया है। प्राचीन ग्रंथों से लेकर सम्राटों और बादशाहों ने मानवाधिकारों को किसी न किसी रूप में अपनाया। सबसे पहले 10 दिसंबर 1948 में पहली बार संयुक्त राष्ट्र ने मानवाधिकारों को अपनाने की घोषणा की। हर साल 10 दिसंबर का दिन दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के तौर पर मनाया जाता है।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना आगामी किश्त के लिए ई-केवायसी और बैंक खाते से आधार को कराएं लिंक

छतरपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत सभी पात्र कृषकों को ई-केवायसी और बैंक खाते से आधार लिंकेज कराना अनिवार्य है। अधीक्षक भू-अभिलेख छतरपुर ने बताया कि आगामी किश्तों की राशि उन्हीं पात्र कृषकों को प्रदान की जाएगी जिन कृषकों द्वारा ई-केवायसी एवं बैंक खाता से आधार लिंक का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। जिला प्रशासन द्वारा अपील की गई है कि ऐसे किसान जिन्होंने ई-केवायसी एवं बैंक खाता से आधार लिंक नहीं कराया है वह कृषक पीएम किसान पोर्टल पर पर ई-केवायसी सीएससी सेन्टर व एमपी ऑनलाइन से भी करा सकते हैं।

ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत असंगठित श्रमिकों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का मिलेगा लाभ

छतरपुर। ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत असंगगित श्रमिकों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के लाभ देने के लिए एसडीएम, जनपद सीईओ एवं सीएमओ नगरीय निकाय को सीईओ जिला पंचायत श्रीमती तपस्या परिहार द्वारा निर्देशित किया गया है। भारत सरकार द्वारा उक्त ई-श्रम पोर्टल पर 31 मार्च 2022 तक पंजीकृत असंगठित श्रमिकों की दुर्घटना में मृत्यू अथवा अपंगता की स्थिति में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत एक्स ग्रेसिया के रूप निम्नानुसार राशि प्रदान की जाएगी। जिसमें दुर्घटना में मृत्यु होने पर 2 लाख रूपए एवं विभिन्न स्थाई और अपूरणीय शारीरिक क्षति होने पर भी 2 लाख रूपए का प्रावधान है। एक आंख, एक पैर या एक हाथ की स्थाई और अपूरणीय क्षति होने पर 1 लाख रूपए का प्रावधान है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत दुर्घटना का आशय अचानक, अप्रत्याशित एवं अवांछित घटना से है, जो किसी बाहरी, हिंसक अथवा दृष्यमान कारणों से घटित हुई हो। ई-श्रम पोर्टल पर 31 मार्च 2022 के पूर्व पंजीकृत असंगठित श्रमिकों के दुर्घटना में मृत्यु अथवा दिव्यांगता की स्थिति में क्षतिपूर्ति के जो दावे प्राप्त होंगे, उनका निराकरण प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत जिला मजिस्ट्रेट द्वारा किया जाएगा।

12 दिनों के बाद हुए सूर्य देवता के दर्शन, कोहरे का असर जारी, बढ़ी ठंड

सिरोंज। पिछली 12 दिनों से मौसम में हुए बदलाव के बाद आसमान पर बादलों ने डेरा जमाया हुआ था। शुक्रवार को सुबह घने कोहरे का असर था थोड़ी देर के बाद सूर्य देवता के दर्शन हुए दिन भर हुए शाम के समय मौसम साफ होने के कारण कड़ाके की सर्दी का एहसास भी होने लगा आने वाले दिनों में सर्दी का विकराल रूप भी देखने को मिल सकता है । क्योंकि लंबे समय से बादल छाए रहने से तापमान में वृद्धि नहीं हो रही थी दूसरी ओर फसलों में भी रौनक भी देखने मिली रहीं हैं।

कौन बनेगा मुख्यमंत्री? पर्यवेक्षकों का लिया सहारा

प्रहलाद सिंह पटैल महाकोशल व बुंदेलखंड सहित प्रदेश की पहली पसंद हैं...

नरसिंहपुर। (गीतगोविन्द पटेल)। मप्र सहित तीन प्रदेशों में चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की भारी बहुमतों से विजयश्री हुई है। जिसके बाद अब मुख्यमंत्री पद के दावेदारों में से मुख्यमंत्री चुने जाने के लिए कबायद जारी है। इस हेतु केंद्रीय नेतृत्व ने पर्यवेक्षकों का सहारा लिया है। मप्र ने भी तीन पर्यवेक्षक चुने गए हैं जो भाजपा विधायकों से अपने पसंदीदा मुख्यमंत्री के नाम सम्बन्धी अपनी अपनी गुप्त रिपोर्ट में दर्ज कर केन्द्रीय नेतृत्व को सौपेंगे जिसके बाद कल तक यानी रविवार तक मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा होना तय माना जा रहा है। मप्र में मुख्यमंत्री की दौड़ में महाकोशल व विंध्य, मालवा आदि से नरसिंहपुर विधायक प्रह्लाद सिंह पटेल का नाम चर्चा में सबसे आगे माना जा रहा है। अभी तक विंध्य व महाकोशल से भाजपा का कोई भी मुख्यमंत्री नही बना जिससे यहाँ की जनता भी प्रहलाद सिंह पटेल को ही मुख्यमंत्री बने देखना चाहती है जिससे कि यहां पर और अधिक विकाश हो सके। प्रह्लाद सिंह पटेल 5 वार सांसद दो बार केन्द्रीय मंत्री रह चुके हैं। वे प्रदेश से हर बार अलग-अलग संसदीय क्षेत्रों से चुनाव लड़कर संसद में पहुँचकर संसदीय क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया। वे अटल सरकार व मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे। और केंद्रीय मंत्री रहते हुए प्रह्लाद सिंह पटेल को इस बार नरसिंहपुर विधानसभा सीट से विधायक बनाने प्रदेश की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने भेजा गया है। जहाँ से उनके अनुज व लगातार नरसिंहपुर सीट से भाजपा से अपना दबदबा बनाए रखते चले आ रहे थे वहाँ से उमीदवार बनाकर भेजा गया। और बम्फर जीत दर्ज की। केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा उनके वेदाग व्यक्तित्व व कर्मठ कृतित्व को देखते हुए उन्हें चुनाव के दौरान अन्य सौ सीटों पर स्टार प्रचारक बनाकर उन सीटों पर जीत की जिम्मेदारी भी सौपी गई। जिससे बखूबी निभाकर उन्होंने इन सौ सीटों मे से अधिकतर कई सीटों पर जीत दर्ज कराई। इनमे से कई सीटे कॉग्रेस के पंजे से भी छुड़ाई हैं।

श्री पटेल अब अपने गृह जिला नरसिंहपुर से विधायक निर्वाचित हुए हैं। वे माँ नर्मदा अनन्य भक्त हैं। व ब्रम्हलीन श्रीश्री बाबाश्री के अनुयायी है। वे शुद्ध शाकाहारी व सात्विक भोजन करते हैं व अपने समर्थकों को भी इस हेतु सदैव प्रेरित करते हैं।

केंद्रीय मंत्री रहते हुए प्रह्लाद सिंह पटेल का नाम विधानसभा उम्मीदवार घोषित होते ही सांध्यप्रकाश द्वारा उनके जीतने के साथ ही मुख्यमंत्री या समकक्ष उत्तरदायित्व सम्बन्धी खबर को नरसिंहपुर पेज पर प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। आज दिनांक तक अभी चर्चा हैं कल तक यानी दिसम्बर 10 तक तस्वीर स्पष्ट हो जाने की पूर्ण सम्भावना है।

पर्यवेक्षक आज शाम या कल तक तक अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय समिति को सौंपेगे।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश की 230 सदस्यों वाली विधानसभा में भाजपा ने 163 सीटें जीती हैं, वहीं कांग्रेस को सिर्फ 66 सीटें मिली हैं। एक सीट भारत आदिवासी पार्टी के खाते में गई है। पार्टी ने प्रहलाद पटेल और नरेंद्र सिंह तोमर समेत सात सांसदों को चुनावों में उतारा था। केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते मंडला के निवास सीट पर विधानसभा चुनाव हारे हैं। इसके साथ ही गणेश सिंह को भी सतना में कांग्रेस प्रत्याशी के सामने हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा सीधी की सांसद रीति पाठक (सीधी), जबलपुर के सांसद राकेश सिंह (जबलपुर पश्चिम), होशंगाबाद के सांसद राव उदय प्रताप सिंह (गाडरवारा) में जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। महाकोशल विंध्य, सिवनी, मालवा सहित प्रदेश की बड़ी संख्या श्री पटेल को मुख्यमंत्री चाहती हैं जिससे उनके केंद्रीय कार्यानुभव को प्रदेश की योजनाओं के लागू कर विकाश को बढ़ावा मिल सके।

नेशनल लोक अदालत आज

छतरपुर। छतरपुर जिले में 09 दिसम्बर 2023 को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित होगी। लोक अदालत के माध्यम से विद्युत मामलों में अधिनियम 2003 की धारा 126 एवं 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की निराकरण के लिये निम्न दाब श्रेणी के समस्त घरेलू, कृषि 5 किलोवाट के गैर घरेलू 10 अश्वशक्ति भार तक औद्योगिक उपभोक्ताओं को छूट मिलेगी।

प्री-लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर के अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

आवेदक को निर्धारित छूट के उपरांत शेष देय आंकलित सिविल दायित्व एवं ब्याज की राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा।

उपभोक्ता व उपयोगकर्ता की विचाराधीन प्रकरण वाले परिसर एवं अन्य परिसरों पर उसके नाम पर किसी अन्य संयोजन व संयोजनों के विरूद्ध विद्युत देयकों की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान भी करना होगा।

आवेदक के नाम पर कोई विधिक संयोजन होने की स्थिति में छूट का लाभ करने हेतु आवेदक द्वारा विधिक संयोजन प्राप्त करना एवं पूर्व में विच्छेदित संयोजनों के विरूद्ध बकाया राशि (यदि कोई हो) का पूर्ण भुगतान किया जाना अनिवार्य होगा।

नेशनल लोक अदालत में छूट आवेदक द्वारा विद्युत चोरी एवं अनाधिकृत उपयोग पहली बार किये जाने की स्थिति में ही दी जावेगी। विद्युत चोरी अनाधिकृत उपयोग के प्रकरणों में पूर्व की लोक अदालत में छूट प्राप्त किये उपभोक्ता व उपयोगकर्ता छूट के पात्र नहीं होंगे।

प्रधानमंत्री रोजगार लोन दिलाने के नाम सागर जिले के ठग ने की लाखों की ठगी

अब नहीं उठा रहा फोन, पुलिस ने किया मामला कायम

सीहोर। प्रधानमंत्री रोजगार लोन दिलवाने के नाम पर ग्रामीणों से ठगी करने वाले सागर जिले के एक ठग ने यहां आकर लाखों रुपए की धोखाधड़ी की। रुपया लेने के 6 माह बाद भी ग्रामीणों को लोन मिलना तो दूर की बात रही। ठग ने फोन उठाना भी बंद कर दिया। तब परेशान होकर ग्रामीणों ने पुलिस की शरण ली। कोतवाली पुलिस ने ग्रामीणों की शिकायत पर सागर जिले के ठग के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला कायम किया है।

कोतवाली पुलिस ने बताया कि धामनखेड़ा के आवेदक पवन वर्मा पिता कमल सिंह ने पुलिस से शिकायत की थी कि उसके घर ग्राम धामनखेड़ा में 02 जून 2023 को सुबह करीब 11 बजे ग्राम तड़ा तहसील केसली जिला सागर निवासी हरीओम पाठक पिता मनोहर पाठक चार पहिया वाहन एमपी 04 सीपी 7505 से आया था। इस दौरान उसने प्रधानमंत्री रोजगार के तहत लोन दिलाने और 35 प्रतिशत सब्सिडी दिलाने की बात कही थी। हरीओम पाठक ने उसे 10 लाख रुपऐ व उसके भाई प्रद्युम वर्मा को 30 लाख रुपए लोन दिलाने का कहा था। लोन दिलाने के नाम पर हरीओम पाठक ने मुझसे 17500 रुपए और मेरे भाई प्रद्युम वर्मा से 52,500 रुपए नकद एवं मोबाइल व्दारा ट्रांजेक्शन करवाये गये थे।

बाद में मेरे दोस्त दीपक वर्मा निवासी खेरी थाना इछावर को मेरे गाँव धामनखेड़ा में 20 लाख रूपये का लोन दिलाने के नाम पर 30 हजार रुपए नकद व आनलाइन पेमेन्ट करवाया था। इसी तरह मेरे रिश्तेदार रामबाबू वर्मा निवासी गुड़भेला थाना मण्डी को 10 लाख रूपये का लोन दिलाने के नाम पर 17,500 रूपये आनलाइन पेमेन्ट हरिओम पाठक के मोबाइल पर किया गया था। इस बात को छह माह बीत जाने के बाद भी हरीओम पाठक का लोन दिलाने के नाम पर सिवाय आश्वासन के कोई उत्तर नहीं था। इसके साथ ही जब उसने अपना मोबाइल बंद कर लिया तो परेशान होकर हमने पुलिस को शिकायत की। कोतवाली पुलिस ने बताया कि पवन वर्मा की रिपोर्ट पर धोखाधड़ी का प्रकरण कायम कर लिया है।

राजस्व अधिकारी मिशन मोड में एक सप्ताह में नामांतरण प्रकरणों का निराकरण करें: कलेक्टर

लंबित वसूली के लिये कुर्की एवं जब्ती की कार्यवाही करें

छतरपुर। कलेक्टर छतरपुर संदीप जी.आर. ने जिला पंचायत सभाकक्ष में शुक्रवार को राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि 6 माह से अधिक लंबित नामांतरण प्रकरणों को मिशन मोड में एक सप्ताह में निराकरण करें। उन्होंने तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में लगाए जा रहे राजस्व शिविरों में अधिकारी तैयारी के साथ जाएं। उन ग्रामों के लंबित राजस्व प्रकरणों के मौके पर जाकर निराकरण करें। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्व अधिकारी नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन के प्रकरणों का तेजी के साथ निराकरण करें। बैठक में अपर कलेक्टर नमः शिवाय अरजरिया, सहायक कलेक्टर कार्तिकेय जायसवाल एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, अधीक्षक भू-अभिलेख, तहसीलदार, नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री जी.आर. ने कहा कि राजस्व अधिकारियों द्वारा राजस्व प्रकरणों में जो आदेश पारित किया जाता है अमल सुनिश्चित हो। यदि इसमें पटवारी स्तर पर लापरवाही होती है तो संबंधित पर तत्काल कार्यवाही की जाए। एसएलआर को निर्देश दिए कि सीमांकन के लिए मशीनों का प्रशिक्षण दिलवाएं। जो सीखने के प्रति आदेश की अव्हेलना करता है उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। बैठक में मुख्यमंत्री नगरीय भू-अधिकारी योजना, स्वामित्व योजना, सीएम हेल्पलाइन, पीएम किसान योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर शेष किसाने की ई-केवायसी कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि जो देनदार लंबित बकाया राशि नहीं चुका रहे है तो ऐसे देनदारों की संपत्तियों की कुर्की एवं जब्ती की कार्यवाही प्राथमिकता से करें। साथ ही मैरिज गार्डन, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, पेट्रोल पंपों आदि से भी कर बसूली की जाए। एसडीएम, तहसीलदार तथा नगरपालिका अधिकारी संयुक्त रूप से प्रभावी एवं बड़ी कार्यवाही करते हुये बड़े बकायादारों से वसूली करें।

उन्होंने कहा कि राजस्व प्रकरण में ग्राहिता स्थिति में ही निराकरण कार्यवाही पर जोर दें। साथ ही 2 से 5 वर्ष के लंबित प्रकरणों की रिव्यू समीक्षा करते हुये निराकरण करें। उन्होंने धारणाधिकार के लंबित प्रकरणों के निराकरण करने के निर्देश दिए।

अवैध रूप से मांस दुकानों का संचालन करने वालों पर होगी, कार्रवाई खुले में मांस बेचने वालों को भी दी हिदायत

सिरोंज। विधायक उमाकांत शर्मा की दूसरी पारी में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। उसका नजारा भी देखने को मिलने लगा है। वही नगर पालिका के जिम्मेदार जिम्मेदारी से काम करते हुए दिखाई देने लगे हैं। शुक्रवार को नगर में संचारित होने वाली मांस की दुकानों की जांच पड़ताल करने के लिए नगर पालिका स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी पहुंचे उन्होंने मांस विक्रेताओं को निर्देष देते हुए कहा कि कोई भी मांस विक्रेता खुले में मांस का विक्रय नहीं करेगा यदि ऐसा पाया जाता है तो कार्रवाई होगी सभी दुकानदार मोटी पन्नी लगाए या फिर कांच लगाकर दुकान के अंदर मांस को ढककर रखें यदि खुले में पाया गया तो कार्रवाई होगी। साफ-सफाई भी होनी चाहिए किसी भी तरह से आम नागरिक की भावनाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए। अभी अधिकांश दुकानदारों के द्वारा खुले में ही मांस को बेचने का काम किया जाता है। काले बाजार वाले रास्ते से आने-जाने वाले लोगों को इसके कारण परेशानी होती है उनकी धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं। इसके अलावा नगर में बड़ी मात्रा में अवैध रूप से मांस की दुकानों का संचालन कहीं भी किसी भी स्थान पर किया जा रहा है इसमें शासकीय स्कूलों से लेकर धार्मिक स्थान तथा सार्वजनिक स्थल भी शामिल है इन सभी की जांच कर कर नियम वृद्धि मांस दुकान संचालन करने वालों पर कार्रवाई करने की बात भी कई है। यदि सही तरीके से जांच पड़ता होती है तो अधिकांश दुकानें अवैध रूप से संचालित होते हुए मिलेगी।

इनका कहना है -

नगर में जितनी भी मांस की दुकानें संचारित हो रही है उन सब का सर्वे कर रहे हैं साथ ही मांस विक्रेताओं को खुले में मांस नहीं बेचने के निर्देश दिए पालन नहीं करने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई होगी।

राम प्रकाश साहू प्रभारी सीएमओ

दोराहा थाना प्रभारी को गोली मारने की दी सीधी धमकी

वायरल हो रहा वीडियो.. पुलिस ने किया मामला कायम

सीहोर। जिले में एक सनसनीखेत वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक गुंडे ने जिले के एक थाना प्रभारी को गोली मारने की धमकी दी है। वायरल हो रहे वीडियो में गुंडा कह रहा है कि थाना दोराहा टीआई को मेरा सीधा चैलेंज...बाप कसम जिंदा रहा तो तुझे गोली जरूर मारूंगा। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। वायरल हो रहे 32 सेकंड के वीडियो में दिख रहा है कि बदमाश कमर में रिवाल्वर रखे हुए हैं। उसमें बदमाश धमकी दे रहा है कि थाना दोराहा, जिला सीहोर टीआई को हमारा सीधा चैलेंज...। वायरल वीडियो में बदमाश का कहना है कि पकड़े गए तो गोली मार देना, नहीं तो मेरे बाप की कसम जिंदा रहा तो तुझे गोली जरूर मारूंगा। पूछ क्यों- तू पुलिसवाला है, हमारी शासन से कोई बुराई नहीं है। मगर तू हमारे छोटे भाइयों को परेशान कर रहा है। उनका कोई लेना-देना ही नहीं है। उस गरीब का तूने मोबाइल रख लिया। कैसे ऑटो चलाकर, मेहनत-मजदूरी कर बेचारे पैसा कमाते हैं। रात-रातभर मेहनत करते हैं, लेकिन पुलिस को इससे क्या।

मामले के संबंध में दोराहा थाना प्रभारी राजेश सिन्हा ने बताया कि जो युवक वीडियो में मुझे जान से मारने की धमकी दे रहा है। उसका नाम नसीम पिता बने खां निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निशातपुरा भोपाल है। इसके खिलाफ 19 नवंबर को धारा 307 में एक मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में आरोपी फरार चल रहा है। धमकी देने के मामले में दोराहा थाने में धारा 506, 94 के तहत एक और प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए एक टीम को लगाया गया है।

इटारसी पुलिस को मिली बड़ी सफलता

अलग अलग स्थानों पर चोरी करने वाले गिरफ्त में, 16 लाख के जेवर बरामद

इटारसी । शहर के सूने घरों में सोने चांदी के जेवर चोरी करने वाला शातिर चोर व जेवर खरीदने वाले ज्वेलर्स सहित चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी किया लगभग 16 लाख रुपये कीमत का करीब 25 तोला सोना व एक किलो चांदी जब्त की है। मुख्य आरोपी मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम, जबलपुर, रायसेन सहित दर्जनों जिलों में चोरी की वारदात कर चुका है।

पत्रकार वार्ता में एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान और टीआई गौरव सिंह बुंदेला ने बताया कि मुख्य आरोपी लीलाधर उर्फ छोटू पिता नारायण केवट 25 वर्ष, बांसखेड़ा थाना उदयपुरा रायसेन का रहने वाला है। पुलिस ने मामले में जबलपुर के तीन अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया है जिन्होंने चोरी का माल बिकवाने और खरीदने में आरोपी का सहयोग किया है।

इन स्थानों की चोरी पकड़ी

31 अक्टूबर 2023 को दोपहर करीब 3 बजे जमानी रोड पुरानी इटारसी में अशोक इंगले के मकान का सामने का दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर वाले कमरे मे रखी लोहे की आलमारी के लॉकर से अज्ञात व्यक्ति द्वारा सोने चांदी के जेवर चोरी करने की घटना,

11 नवंबर 23 को रात में राजेन्द्र सिंह राजपूत निवासी मालवीय गंज के घर के सामने के दरवाजे का ताला तोड़कर कमरे में रखी लोहे की आलमारी के लॉकर से सोने व चांदी के जेवर चोरी, 14 नवंबर 2023 को न्यास कालोनी के गौशाला के सामने से आनंद परसाई के सुनें घर की दीवाल फांदकर घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर के अंदर अलमारी से सोने के जेवर चोरी की घटना एवं 1 दिसंबर 2023 को पीपल मोहल्ले के रहने वाले इस्माइल पिता इसराइल खान के सुनें घर में रखे ओप्पो कंपनी का मोबाइल व नगदी चोरी कर घटनाओं को आरोपी द्वारा अंजाम दिया गया था।

थाना क्षेत्र में चोरी की घटना होने से पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरुकरण सिंह ने तत्काल संज्ञान लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व अनुविभागीय पुलिस अधिकारी इटारसी को निर्देशित करते हुये थाना प्रभारी थाना इटारसी को त्वरित कार्यवाही करने के आदेशित दिया। थाना प्रभारी ने अलग-अलग टीम का गठन कर अज्ञात आरोपी की तलाश व साक्ष्य संकलन कर शीघ्र आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए। विभिन्न सूत्रों व मुखबिर तंत्र के माध्यम से जानकारी प्राप्त की गई। पता चला कि एक लड़का सभी घटना दिनांक व समय के आसपास घटना स्थल के आजू बाजू इटारसी शहर में संदिग्ध घूम रहा है जिसको तकनीकी साधनों का उपयोग कर लगातार पुलिस टीम द्वारा ट्रेक करने पर उक्त संदेही को मदन महल जबलपुर में रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया।

आरोपी ने बताए और नाम

आरोपी से पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए चोरी किए मशरुका सोने चांदी के जेवर में से कुछ जेवर अपने साथियों प्रदीप और लक्ष्मण तथा जबलपुर के सराफा व्यापारी अनुज सोनी को बेचने का बताया। पुलिस ने जबलपुर से तीनों आरोपी प्रदीप पिता अशोक पाठक उम्र 42 वर्ष निवासी पुराना शास्त्री नगर थाना तिलवासा जबलपुर, लक्ष्मण पिता धनराज पटेल उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम बिछुआ थाना चरगवा जिला जबलपुर, अनुज पिता हीरालाल सोनी उम्र 39 साल निवासी गंगानगर गोहर तालाब थाना संजीवनी नगर जबलपुर को गिरफ्तार किया है।

चारों आरोपियों के कब्जे से लगभग कुल 16 लाख रुपये कीमती करीब 25 तोला सोना व एक किलो चांदी, एक मोबाइल, आधार कार्ड, पासबुक, वोटर आईडी जब्त कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

थाने के इन जांबाजों की महत्वपूर्ण भूमिका रही

एसपी डॉ. गुरुकरण सिंह, एडिशनल एसपी, एसडीओपी महेन्द्र सिंह चौहान, थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला, उप निरीक्षक सुनील घावरी, केएन रजक, राहुल पटेल, महेंद्र सिंह उईके, एएसआई संजय रघुवंशी, अनिल ठाकुर, प्रधान आरक्षक हेमंत तिवारी, अनिल यदवंशी, नर्मदाप्रसाद, कैलाश नालवीय, आरक्षक अमित राय, हरीश डिगरसे, संगीत सिंह, वीरेंद्र पवार, सुनील चौधरी, तुलसीराम, अंकित गौर, कमल धुर्वे, आकाश बारस्कर, जितेंद्र नरवरे, गुलशन सोनी, अभिषेक नरवरिया, संदीप यदुवंशी, 100 डायल के चालक दम्मू सिंह की टीम ने तकनीकी और भौतिक साक्ष्य तथा मुखबिर तंत्र का लगातार उपयोग करते हये आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया है।

सोनिया गांधी होने का अर्थ

श्रुति कुशवाहा

आज सोनिया गांधी का 77वां जन्मदिन है। 9 दिसंबर 1946 को इटली में जन्मी सोनिया गांधी कांग्रेस में सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष पद पर रही हैं। सोनिया गांधी की शादी 1968 में 22 वर्ष की उम्र में राजीव गांधी से हुई थी। शादी के बाद से ही वे भारत में रह रही हैं, भारत की नागरिक हैं।। इस तरह देखें तो उन्हें भारत में रहते हुए 55 साल बीत गए हैं। अपनी आयु के दुगने से भी अधिक वर्ष उन्होने भारत में बिताए हैं और अफसोस की बात ये है कि आज भी उनके ऊपर से 'विदेशी बहू' होने का टैग नहीं हट पाया है।

कांग्रेस या सोनिया गांधी पर जब भी उसके विपक्षी दल हमलावर होते हैं तो इस तरह की शब्दावली का प्रयोग नया नहीं है। हम उस संस्कृति में रहते हैं जहां बेटी को पराया धन मानने और बहू को अपनाने की परंपरा रही है। हालांकि बेटी को पराया मानना भी पितृसत्तात्मक मनोवृत्ति है लेकिन जिस संस्कृति में बहू को अपनाने का रिवाज़ रहा है, मान्यता है कि जहां बहू ही वंश को आगे बढ़ाती है, जहां पुरातनकाल से अलग अलग देशों की कन्याओं के साथ विवाह की परंपरा रही है\उस देश में सोनिया गांधी का जिस तरह से मानहनन किया गया, वो कहीं न कहीं हमारी कुंठित सोच का ही परिचायक है।

1968 में सोनिया और राजीव की शादी हुई और 1991 में राजीव गांधी का निधन हुआ। इस तरह सोनिया गांधी ने अपने 77 साल के जीवनकाल में सिर्फ 23 साल वैवाहिक जीवन में गुजारे। पिछले 32 साल से वो अपने जीवनसाथी के बिना हैं, बावजूद इसके उन्होने भारत में रहना चुना। कई लोग हैं जो उन्हें राजनीतिक महत्वाकांक्षी बताते हैं..लेकिन उन्होने खुद अपनी इच्छा से कांग्रेस अध्यक्ष का पद छोड़ा। वे कभी भारत सरकार में किसी सार्वजनिक पद पर नहीं रही हैं। लेकिन उनके उनपर लगातार निजी हमले होते रहे हैं। उनके लिए जितने अपशब्दों का प्रयोग हुआ, जैसी बातें कही गई, वो किसी भी सभ्य समाज का दर्शन नहीं हो सकती है। आज सोनिया गांधी के जन्मदिन पर हम आपके लिए उनके द्वार लिखे गए एक पत्र का अंश लेकर आए हैं। ये पढ़ने के बाद शायद हम कुछ संवेदनशील होकर 'सोनिया गांधी' होने का अर्थ समझ पाएंगे।

सोनिया गांधी का पत्रांश

मुझे राजीव लौटा दीजिए मैं लौट जाऊंगी। नहीं लौटा सकते तो उनके पास यहीं मिट्टी में मिल जाने दीजिए

आपने देखा है न उन्हें। चौड़ा माथा, गहरी आंखे, लम्बा कद और वो मुस्कान। जब मैंने भी उन्हें पहली बार देखा, तो बस देखती रह गयी। साथी से पूछा- कौन है ये खूबसूरत नवजवान। हैंडसम ! हैंडसम कहा था मैंने। साथी ने बताया वो इंडियन है। पण्डित नेहरू की फैमिली से है। मैं देखती रही। नेहरू की फैमिली के लड़के को।

कुछ दिन बाद, यूनिवर्सिटी कैंपस के रेस्टोरेन्ट में लंच के लिए गयी। बहुत से लड़के थे वहां। मैंने दूर एक खाली टेबल ले ली। वो भी उन दूसरे लोगो के साथ थे। मुझे लगा, कि वह मुझे देख रहे है। नजरें उठाई, तो वे सचुच मुझे ही देख रहे थे। क्षण भर को नजरे मिली, और दोनो सकपका गए। निगाहें हटा ली, मगर दिल जोरो से धड़कता रहा।

अगले दिन जब लंच के लिए वहीं गयी, वो आज भी मौजूद थे। वो पहली नजर का प्यार था। वो दिन खुशनुमा थे। वो स्वर्ग था। हम साथ घूमते, नदियों के किनारे, कार में दूर ड्राइव, हाघो में हाथ लिए सड़कों पर घूमना, फिल्में देखना। मुझे याद नही की हमने एक दूसरे को प्रोपोज भी किया हो। जरूरत नही थी, सब नैचुरल था, हम एक दूसरे के लिए बने थे। हमे साथ रहना था। हमेशा।

उनकी मां प्रधानमंत्री बन गयी थी। जब इंग्लैंड आयी तो राजीव ने मिलाया। हमने शादी की इजाजत मांगी। उन्होंने भारत आने को कहा। भारत? ये दुनिया के जिस किसी कोने में हो। राजीव के साथ कहीं भी रह सकती थी। तो आ गयी। गुलाबी साड़ी, खादी की, जिसे नेहरू ने बुना था, जिसे इंदिरा ने अपनी शादी में पहना था, उसे पहन कर इस परिवार की हो गयी। मेरी मांग में रंग भरा, सिन्दूर कहते हैं उसे। मैं राजीव की हुई, राजीव मेरे, और मैं यही की हो गयी।

दिन पंख लगाकर उड़ गए। राजीव के भाई नही रहे। इंदिरा को सहारा चाहिए था। राजीव राजनीति में जाने लगे। मुझे नही था पसंद, मना किया। हर कोशिश की, मगर आप हिंदुस्तानी लोग, मां के सामने पत्नी की कहां सुनते है। वो गए, और जब गए तो बंट गये। उनमें मेरा हिस्सा घट गया। फिर एक दिन इंदिरा निकलीं। बाहर गोलियों की आवाज आई। दौड़कर देखा तो खून से लथपथ। आप लोगों ने छलनी कर दिया था। उन्हें उठाया, अस्पताल दौड़ी, उन खून से मेरे कपड़े भीगते रहे। मेरी बांहों में दम तोड़ा। आपने कभी इतने करीब से मौत देखी है?

उस दिन मेरे घर के एक नही, दो सदस्य घट गए। राजीव पूरी तरह देश के हो गए। मैंने सहा, हंसा, साथ निभाया। जो मेरा था। सिर्फ मेरा, उसे देश से बांटा। और क्या मिला। एक दिन उनकी भी लाश लौटी। कपड़े से ढंका चेहरा। एक हंसते, गुलाबी चेहरे को लोथड़ा बनाकर लौटा दिया आप सबने।

उनका आखरी चेहरा मैं भूल जाना चाहती हूं। उस रेस्टोरेंट में पहली बार की वी निगाह, वो शामें, वो मुस्कान।बस वही याद रखना चाहती हूं। इस देश में जितना वक्त राजीव के साथ गुजारा है, उससे ज्यादा राजीव के बगैर गुजार चुकी हूं। मशीन की तरह जिम्मेदारी निभाई है। जब तक शक्ति थी, उनकी विरासत को बिखरने से रोका। इस देश को समृद्धि के सबसे गौरवशाली लम्हे दिए। घर और परिवार को संभाला है। एक परिपूर्ण जीवन जिया है। मैंने अपना काम किया है। राजीव को जो वचन नही दिए, उनका भी निबाह मैंने किया है।

सरकारें आती जाती है। आपको लगता है कि अब इन हार जीत का मुझ पर फर्क पड़ता है। आपकी गालियां, विदेशी होने की तोहमत, बार बाला, जर्सी गाय, विधवा, स्मगलर, जासूस ज इनका मुझे दुख होता है? किसी टीवी चैनल पर दी जा रही गालियों का दुख होता है, ट्विटर और फेसबुक पर अनर्गल ट्रेंड का दुख होता है?? नही, तरस जरूर आता है।

याद रखिये, जिससे प्रेम किया हो, उसकी लाश देखकर जो दुख होता है। इसके बाद दुख नही होता। मन पत्थर हो जाता है। मगर आपको मुझसे नफरत है, बेशक कीजिये। आज ही लौट जाऊंगी। बस, राजीव लौटा दीजिए। और अगर नही लौटा सकते , तो शांति से, राजीव के आसपास, यहीं कहीं इसी मिट्टी में मिल जाने दीजिए। इस देश की बहू को इतना तो हक मिलना चाहिए शायद।

आरसीसीपीएल, मैहर द्वारा खोला गया सिलाई केंद्र

मैहर, एजेंसी। कौशल भारत और महिला सशक्तिकरण के बैनर तले, आरसीसीपीएल आईयू मैहर ने सीएसआर के तहत खेरवाकलां गांव में एक नए सिलाई केंद्र का उद्घाटन किया है। सिलाई केंद्र खोलने का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना है, जिन्हें प्रमाण पत्र के साथ सिलाई और अन्य कढ़ाई कार्यों पर 6 महीने का व्यावसायिक प्रशिक्षण मिलेगा। व्यावसायिक प्रशिक्षण के 6 महीने पूरे होने के बाद प्रमाणन प्राप्त करने के लिए उन्हें परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। इससे समृद्धि का एक आभासी चक्र बनेगा जिससे न केवल परिवार बल्कि समुदाय और समाज को भी लाभ होगा। महिलाएं पैसा कमाने में सक्षम होंगी जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर को ऊपर उठाने में मदद मिलेगी क्योंकि वे परिवार में योगदान दे रही हैं।सिलाई केंद्र का उद्घाटन हमारे मुख्य अतिथि शांतनु मलिक हेड सीएसआर आरसीसीपीएल, मैहर यूनिट हेड पी.के चौधरी, एचआर हेड आलोक गुप्ता, भैसासुर के सरपंच बेबी राजा बुंदेला और खेरवाकलांट की कल्पना बुंदेला ने किया। अपने भाषण के दौरान श्री पी के चौधरी ने गाँव से अच्छी और वास्तविक भागीदारी के लिए कहा और महिलाओं को इसका अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए भी कहा। श्री शांतनु मल्लिक ने ग्रामीणों को संबोधित किया और उनसे कहा कि वे इस कार्यक्रम को गंभीरता से लें और अपने हाथ में अच्छे कौशल जुटाएं।

रसना ने उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में रसना हिमालयन गुलाब शरबत

हिमालयन गुलकंद और हिमालयन गुलाब च्यवनप्राश के लॉन्च के साथ उत्तराखंड के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बढ़ाई

नई दिल्ली एजेंसी। उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में, रसना ने गर्व से अपने रसना हिमालयन गुलाब शरबत, हिमालयन गुलकंद और हिमालयन गुलाब च्यवनप्राश के लॉन्च की घोषणा की। राज्य में रसना की उपस्थिति बढ़ाने के प्रयास में, उत्पादों का निर्माण उत्तराखंड की घाटियों से प्राप्त शुद्ध गुलाब तेल और गुलाब जल जैसे कच्चे माल का उपयोग करके किया जाएगा। रसना भारत में 12 कारखानों और 1.6 मिलियन आउटलेट कवरेज और 60 से अधिक देशों में उपलब्धता के साथ अपने व्यापक विनिर्माण और विपणन आउटरीच के माध्यम से भारत और विदेशों में एक साथ उत्पाद लॉन्च करेगी, खासकर मध्य पूर्व में जहां भारतीय गुलाब उत्पाद पहले से ही मांग में हैं। उत्पाद की वैश्विक मांग के साथ, रसना का लक्ष्य राज्य से स्थानीय उपज की बढ़ती सोर्सिंग के माध्यम से अपनी उपस्थिति बढ़ाना है। राज्य के लिए राजस्व सृजन को आगे बढ़ाने के लिए, रसना ने सैंडल सिरप और हल्दी सिरप आधारित कॉन्संट्रेट सिरप लॉन्च करने की भी योजना बनाई है, जिसका कच्चा माल भी उत्तराखंड की घाटियों से प्राप्त किया जाएगा।उत्तराखंड, विशेष रूप से चमोली में फूलों की घाटी, दमस्क नामक गुलाब के फूलों की विविधता के लिए जाना जाता है। दमस्क गुलाब बहुत विशिष्ट है, क्योंकि यह एक अनूठी सुगंध प्रदान करता है और सदियों से विभिन्न भोजन, आयुर्वेदिक, न्यूट्रास्युटिकल और संबंधित उत्पादों के लिए एक इस्तेमाल के रूप में बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता रहा है।

तनिष्क के स्ट्रिंग इट कलेक्शन के साथ हर पल को बनाएं सुनहरा

हर दिन पहने जाने वाले, क्लासी, सरल और सहजता से खूबसूरत दिखने वाले नेकवेयर के साथ बढ़ाएं अपना स्टाइल कोशंट

मुंबई , एजेंसी। भारत के सबसे बड़े ज्वेलरी ब्रांड और टाटा समूह के एक सदस्य, तनिष्क ने प्रस्तुत किया है एक खूबसूरत, शानदार कलेक्शन - स्ट्रिंग इट आधुनिक, आज के दौर के अनुरूप और वज़न में हल्के आभूषणों का यह कलेक्शन आपके नज़दीकी तनिष्क स्टोर में, तनिष्क डाट को डाट इन पर और तनिष्क ऐप पर भी ख़रीदा जा सकता है। नेकलेस से लेकर, चेन के पेंडेंट तक, स्ट्रिंग इट में हर आभूषण आपके स्टाइल कोशंट को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आधुनिक स्टाइल के नेकवेयर का यह विविधतापूर्ण कलेक्शन आज की लाइफस्टाइल के अनुरूप डिज़ाइन किया गया है। आधुनिक चेन, नेकलेस, नेकलेस-इयररिंग्स सेट्स और चेन के साथ पेंडेंट आदि सभी नेकवेयर इसमें शामिल हैं।

चकाचौंध कर देने वाली चमक वाले हीरे, सोने और रोज़ गोल्ड से बनी, महिलाओं को पसंद आने वाली कई स्टाइल्स को इसमें शामिल किया गया है। इसमें हर डिज़ाइन को स्टाइलिश और आरामदेह बनाने पर पूरा ध्यान केंद्रित किया गया है। वज़न में हल्के और खूबसूरत डिज़ाइन्स की यह रेन्ज हर दिन पहनने के लिए सही है और किसी भी आउटफिट की शान बढ़ाती है। कीमत का पूरा मूल्य देने वाला, बहुत ही उपयुक्त तनिष्क का स्ट्रिंग इट कलेक्शन उच्च गुणवत्तापूर्ण और फैशनेबल है। अब तनिष्क के स्ट्रिंग इट के साथ हर दिन बनेगा खास और शानदार, जिसमें सादगी और खूबसूरती का मिलाप है। ज़िन्दगी को खूबसूरत बनाने वाले, खरे और क्लासी पलों के लिए तनिष्क का यह नया कलेक्शन बनाया गया है।

तेज रफ्तार से भाग रही देश की इकोनामी, वित्त मंत्री ने गिनाई सरकार की खूबियां

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि भारत ने सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था की गति लगातार कायम रखी है। ऐसा नहीं है कि कोई एक या दो क्षेत्र ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, बल्कि हर सेक्टर आर्थिक विकास को बढ़ाने में अपना योगदान दे रहे हैं। केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद सरकार की योजनाओं का फायदा जमीनी स्तर पर देशवासियों को मिला है और केंद्र की योजनाएं भी बहुत तेज गति से आगे बढ़ रही हैं। देश में आर्थिक स्थिति पर हुई चर्चा का जवाब दिया वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था पर चर्चा कराने से सरकार कभी नहीं हिचकती है।

उन्होंने कहा कि जुलाई-सितंबर में जीडीपी की दर उच्च थी और भारत ने सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था की गति लगातार कायम रखी है। सभी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधि अच्छी रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि पीएलआई योजना जैसे विभिन्न उपायों की वजह से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। वहीं इस वर्ष डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में 21.82 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। भारत दुनिया में दूसरा सबसे पसंदीदा मैन्युफैक्चरिंग डेस्टिनेशन है। वित्त मंत्री ने कहा कि ऐसा नहीं है कि विकास सिर्फ शहरों में हो रहा है बल्कि ग्रामीण भारत भी देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी सरकार की योजनाओं का फायदा आसानी से लोगों को मिल रहा है।

वित्त मंत्री ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में मोदी सरकार की योजनाओं का फायदा गरीब से गरीब तक पहुंच रहा है। जनऔषधि केंद्रों की संख्या दस हजार से ज्यादा हो गई है, जहां पर लोगों को सस्ती दरों पर दवाएं मिलती हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज दूध, दलहन, कपास, चीनी सहित कुछ अन्य चीजों के उत्पादन में दुनिया के देशों में पहले स्थान पर है। चावल, गेहूं, गन्ना और फलों व सब्जियों के उत्पादन में वह दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि मछली और मछली संबंधी उत्पादन, ऑटोमोबाइल, फार्मा और ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में में दुनिया के देशों में भारत आज तीसरे स्थान पर है।

निर्मला ने गिनाई सरकार की खूबियां- केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था जहां दसवें नंबर पर थी, वहीं पिछले आठ वर्षों में ही भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और सबसे तेज गति से भारत की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है। योजनाएं तेज गति से आगे बढ़ रही हैं। जुलाई-सितंबर में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की दर उच्च थी लेकिन सरकार सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था की गति लगातार कायम रखने में सफल रही। मासिक जीएसटी संग्रह 1.6 लाख करोड़ रुपये पर स्थिर है जो आर्थिक बढ़ोतरी का संकेत है।

विपक्ष बोला- बढ़ रही है बेरोजगारी- चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों ने केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा था कि बेरोजगारों की संख्या बढ़ रही है और रोजगार के मामले में सरकार के दावे नाकाम साबित हुए हैं। विपक्ष के इन आरोपों का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि देश में रोजगार के क्षेत्र में बढ़ोतरी हुई है और युवाओं को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि 2017-18 में बेरोजगारी दर 17.8 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत हो गई है। इसके अलावा पिछले पांच वर्षों में 13.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं।

राजीव जैन: कभी बने थे अडानी के संकटमोचक, अब 9 महीने में कर ली 17000 करोड़ रुपये की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग के आरोपों के कारण जब अडानी के शेयर धड़ाम हो गए थे। निवेशकों और शेयर धारकों का भरोसा उनपर से हिल गया था। बाजार का सेंटिमेंट अडानी के खिलाफ हो गया था। लोगों को भरोसा अडानी की कंपनियों से उठने लगा था। सड़क से लेकर संसद तक अडानी के खिलाफ हंगामे हो रहे थे, उस वक्त अमेरिका से आए एक दोस्त ने अडानी पर विश्वास जताया। उनकी मदद करने के लिए अडानी की कंपनियों में बड़ा निवेश किया। अमेरिकी फर्म जीक्यूजी पार्टनर ने उस संकट की घड़ी में अडानी की कंपनियों में बड़ा निवेश किया।

कौन हैं राजीव जैन- राजीव जैन फ्लोरिडा बेस्ड इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स के चेयरमैन हैं। उन्होंने अडानी की कंपनियों में बड़ा निवेश किया। साल के शुरुआत में जब हिंडनबर्ग के आरोपों के चलते अडानी समूह को लेकर बाजार का सेंटिमेंट बिगड़ गया था। निवेशकों का भरोसा हिल गया था। अडानी के शेयर लगातार गिरते जा रहे थे। अडानी की कंपनियों के शेयर के दाम आधे से भी अधिक गिर चुके थे। तब राजीव जैन ने अडानी पर भरोसा दिखाया। अडानी की कंनियों के शेयरों में बड़ा निवेश किया गया। जब अडानी के शेयर गिर रहे थे, उन्होंने उस वक्त अडानी की कंपनी में पैसा लगाया। इस रिस्क का उन्हें मुनाफा भी हुआ।

अडानी की कंपनियों में बड़ा निवेश- राजीव जैन ने बाजार से सेंटिमेंट के विरुद्ध जाकर अडानी के शेयरों में पैसा लगाया। इस निवेश का अडानी को भी फायदा हुआ। अडानी को मिले इस बड़े निवेश के बाद दूसरे निवेशकों का भरोसा भी लौटने लगा।

एक सप्ताह में 16 मल्टी स्टोरी बिल्डिंग का कार्य हो पूरा: नपा अध्यक्ष चौरे

लाटरी सिस्टम के जरिए पात्र हितग्राहियों को आवंटित होंने हें आवास

इटारसी। नगरपालिका अध्?यक्ष पंकज चौरे ने न्?यास कॉलोनी स्थित पीएम आवास योजना के एएचपी घटक के तहत बन रहे आवासों का निरीक्षण किया। यहां अभी 16 आवास की मल्?टी स्?टोरी बिल्डिंग तैयार हो रही है। इसमें कुछ काम अभी शेष बचा है, जिसे एक सप्?ताह में पूरा करने का अल्टिमेटम श्री चौरे ने ठेकेदार को दूरभाष पर संपर्क करते हुए दिया है। निरीक्षण के दौरान साइट उपयंत्री सोनिका अग्रवाल, वार्ड 6 के पार्षद जिम्?मी कैथवास और ठेकेदार के सुपरवाइजर मौजूद रहे।

नगरपालिका अध्?यक्ष ने बताया कि न्?यास कॉलोनी में अभी जो 16 ईडब्?ल्?यूएस मकान की मल्?टी स्?टोरी बिल्डिंग तैयार हो रही है, उसमें सैप्?टिक टैंक का कुछ निर्माण कार्य पूरा होना बाकी है। कुछ काम फ्लैट में इलेक्ट्रिपिफकेशन का होना बाकी है। इसके अलावा यहां बाउंड्रीवाल के निर्माण का कार्य होना बचा है। अध्?यक्ष ने बताया कि ठेकेदार से फोन पर आज चर्चा हुई है, उन्?हें हमनें एक सप्?ताह में यह बचे हुए काम पूरा करने का लॉस्?ट अल्?टीमेटम दिया है, इसके बाद भी यदि काम नहीं होता है तो उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। श्री चौरे ने यह भी बताया कि जैसे ही निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा हम पात्र हितग्राहियों को लाटरी सिस्?टम से मकान आवंटित कर देंगे।

पीएनबी ने अपने ग्राहकों से 18 दिसंबर तक केवाईसी डिटेल अपडेट करने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक में अगर आपका अकाउंट है, तो आपके लिए जरूरी खबर है। 18 दिसंबर तक आपको एक जरूरी काम पूरा करना है। ऐसा नहीं हुआ तो आपका बैंक अकाउंट बंद हो सकता है। दरअसल, आपको केवाईसी अपडेट करवानी होगी। पीएनबी ने अपने ग्राहकों से 18 दिसंबर 2023 तक केवाईसी डिटेल अपडेट करने की बात कही है। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुपालन में केवाईसी अपडेट होना आवश्यक है।

केवाईसी अपडेट करवाना जरूरी- पीएनबी ने कहा है कि खाताधारक केवाईसी अपडेट करा लें, जिससे उनके अकाउंट्स का सुचारू कामकाज सुनिश्चित हो सके। यह निर्देश उन ग्राहकों के लिए है, जिनके बैंक खातों में 30 सितंबर 2023 तक भी केवाईसी अपडेट नहीं हुआ था।

बैंक ब्रांच में दें जानकारी- केवाईसी अनुपालन अभ्यास के हिस्से के रूप में, पीएनबी ने अपने ग्राहकों से अनुरोध किया है कि वे अपनी अपडेटेड जानकारी जैसे- पहचान प्रमाण, पता प्रमाण, नवीनतम फोटो, पैन, आय का प्रमाण, मोबाइल नंबर या कोई अन्य केवाईसी जानकारी अपनी बैंक ब्रांच को प्रदान करें। यह पीएनबी वन, इंटरनेट बैंकिंग सर्विसेज (आईबीएस), पंजीकृत ईमेल/पोस्ट या किसी भी ब्रांच में 18.12.2023 तक व्यक्तिगत रूप से जाकर किया जा सकता है।

बंद हो जाएगा अकाउंट- अगर आपने 18 दिसंबर तक अपनी केवाईसी अपडेट नहीं करवाई तो आपका आकाउंट बंद हो सकता है। बैंक आपके अकाउंट ऑपरेशन पर प्रतिबंध लगा सकता है। अधिक जानकारी या किसी सहायता के लिए ग्राहक अपनी नजदीकी पीएनबी शाखा में जा सकते हैं।

अश्विनी वैष्णव बोले, मेक इन इंडिया के कारण निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि मेक इन इंडिया कार्यक्रम के कारण विनिर्माण-आधारित उत्पादों के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे देश में रोजगार के अवसर भी काफी बढ़े हैं। रेलवे, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि 2022-23 के निर्यात आंकड़ों के अनुसार, 762 अरब अमेरिकी डॉलर के कुल निर्यात में से 453 अरब अमेरिकी डॉलर विनिर्मित वस्तुओं से और 309 अरब अमेरिकी डॉलर सेवाओं से आए। उन्होंने कहा कि पहले निर्यात आंकड़ों में सेवा क्षेत्र का दबदबा हुआ करता था, लेकिन अब फार्मास्यूटिकल्स, मोबाइल फोन और माल ने इसकी जगह ले ली है। उन्होंने विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया कार्यक्रम को दिया। वैष्णव ने कहा, विनिर्माण आधारित निर्यात आम आदमी के जीवन पर असर डालता है। हम जापान और दक्षिण कोरिया की बात करें तो देखेंगे कि उन सभी ने अपनी आर्थिक यात्रा के दौरान विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित किया।

जल्द पूरा होगा सालाना दो करोड़ नौकरियों का लक्ष्य- केंद्रीय मंत्री ने कहा, हर साल दो करोड़ नौकरियों का जो लक्ष्य मोदी जी ने रखा था वह जल्द हासिल होने वाला है। इसके पीछे विनिर्माण एक बड़ा कारक है। उन्होंने कहा, भविष्य निधि का डाटा देखें, जो साल में 70 लाख से बढ़कर एक करोड़ अस्सी लाख हो चुका है। दो करोड़ सालाना नौकरी का लक्ष्य पूरा होता दिख रहा है। वैष्णव ने कहा, 10 से 15 साल पहले पेट्रोलियम का निर्यात सबसे अधिक होता था और चावल व अन्य उत्पाद निर्यात के लिए शीर्ष उत्पादों की सूची में बाद में आते थे।

देश की उपजाऊ भूमि की गुणवत्ता तेजी से घट रही है। इससे खेती-बाड़ी के क्षेत्र में हर वर्ष औसतन 3,654 रुपए प्रति हेक्टेयर का नुकसान हो रहा है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) के शोधकर्ताओं ने नुकसान का यह आकलन 2011-12 की कीमतों के आधार पर किया है।शोध अध्ययन के नतीजे जर्नल लैंड डिग्रडेशन एंड डेवलपमेंट में प्रकाशित हुए हैं।

नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी (एनआरएसए) की माने तो देश में करीब 9.64 करोड़ हेक्टेयर जमीन गुणवत्ता में आ रही गिरावट से जूझ रहा है। जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के मुताबिक इसका दायरा करीब 12 करोड़ हेक्टेयर है। 21वीं सदी में भू-क्षरण बड़ी समस्या बनकर उभरा है। इस दौरान कृषि में आधुनिकरण का समावेश हुआ है और पैदावार बढ़ी, लेकिन इसकी गुणवत्ता में तेजी सें गरावट दर्ज की गई है।

उत्तर प्रदेश में ज्यादा क्षति- शोध से पता चला है कि राज्यों में भू-क्षरण के कारण सालाना होने वाले आर्थिक नुकसान में भारी असमानताएं हैं। एक ओर उत्तरप्रदेश में भूमि की गुणवत्ता में आ रही गिरावट से प्रति हेक्टेयर 15,212 रुपए का नुकसान हो रहा है। वहीं, दूसरी ओर केरल में यह नुकसान 7,489, पश्चिम बंगाल में 5,856, कर्नाटक में 5,843, असम में 5,168, महाराष्ट्र में 4,902, आंध्र प्रदेश में 4,741 और दिल्ली में 3,940 रुपए प्रति हेक्टेयर है। इसके विपरीत जम्मू-कश्मीर के किसानों को 105, मिजोरम में 283, पंजाब में 653 और मेघालय में 901, मणिपुर में 953 और उत्तराखंड में प्रति हेक्टेयर 968 रुपए का नुकसान झेलना पड़ रहा है।

बाढ़, सूखा व मानवीय गतिविधियां जिम्मेदार- भूमि की गुणवत्ता में कमी आने के कई कारण है।इनमें चरम मौसमी घटनाएं, विनाशकारी बाढ़ और विशेष रूप से सूखा शामिल है। यह मानवीय गतिविधियों के कारण भी होता है, जो मिट्टी की गुणवत्ता और भूमि की उपयोगिता को प्रदूषित करते हैं।

भू-संरक्षण उपाय रोक सकते हैं नुकसान- शोधकर्ताओं ने कहा है कि भू-संरक्षण उपायों से भूमि की गुणवत्ता में आ रही गिरावट और आर्थिक नुकसान को रोका जा सकता है। भूमि संरक्षण प्रयासों के तहत भारत सरकार ने भी 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर जमीन बचाने का लक्ष्य रखा है।

भू-गिरावट वैश्विक चुनौती भूमि की गुणवत्ता में आ रही गिरावट केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। यूएन कन्वेंशन टू कॉम्बैट डेजर्टिफिकेशन (यूएनसीसीडी) के आंकड़े बताते हैं कि 2015 से 42 करोड़ हेक्टयर उपजाऊ जमीन भू-क्षरण की भेंट चढ़ चुकी है। यह भूभाग करीब मध्य एशिया के बराबर है। इसकी वजह से दुनिया भर में खाद्य आपूर्ति की समस्या पैदा हो गई है। ठ्वैश्विक स्तर पर हर साल करीब 10 करोड़ हेक्टेयर स्वस्थ्य जमीन अपनी गुणवत्ता खो रही है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो 2030 तक ययह आंकड़ा 150 करोड़ हेक्टेयर भूमि तक पहुंच जाएगा।

14 दिसम्बर से प्रारम्भ होगी विकसित भारत संकल्प यात्रा

आयुक्त ने 100 से अधिक हितग्राहियों को नोटिस देकर 7 दिन के भीतर भवन निर्माण कराने के निर्देश दिए

छिंदवाड़ा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की विभागीय वीडियो कांफ्रेंसिंग आयोजित की गई। वीसी में नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त भरत यादव ने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत हितग्राहियों को प्रदान की गई राशि से भवन निर्माण प्रारंभ कराएं इसके साथ ही हितग्राही द्वारा भवन निर्माण कार्य प्रारंभ न करने पर राशि रिकवरी की कार्यवाही प्रारंभ करें। इस संबंध में निगमायुक्त राहुल सिंह के निर्देश पर शुक्रवार को ही भवन निर्माण प्रारंभ न करने वाले 100 से अधिक हितग्राहियों को नोटिस देकर सात दिन के भीतर निर्माण प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। नियत समय पर भवन निर्माण प्रारंभ न करने वाले लोगो से राशि रिकवरी की कार्यवाही की जायेगी। इसके साथ ही विभागीय आयुक्त भरत यादव ने 14 दिसंबर से प्रारंभ होने वाली विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में भी निर्देश दिए। यात्रा की तैयारी एवं क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने सभी व्यवस्थाओं को समय पूर्व करने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने एक कर्मचारी की सेवा समाप्त

छिंदवाड़ा नगर निगम आयुक्त राहुल सिंह द्वारा लगातार कार्य में अनुपस्थित रहने पर शुक्रवार को एक कर्मचारी की सेवा समाप्त कर दी गई। निकाय के उद्यान शाखा में कार्यरत दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी संतोष चौहान लगातार कार्य से अनुपस्थित रहे, जिससे नर्सरी का कार्य प्रभावित हो रहा था। कार्य को प्रभावित होने कारण कार्यवाही करते हुए निगमायुक्त द्वारा कर्मचारी की सेवा समाप्त कर दी गई।

अशोक यादव रहते तो परिणाम कुछ और होता

छिंदवाडा। जिले में विधानसभा चुनाव के पहले संगठन का काम देखने आए लोकसभा विस्तारक अशोक यादव को लेकर फिर चर्चाओं का बाजार गर्म है। सूत्रों का कहना है कि वे लोकसभा चुनाव को लेकर फिर छिंदवाड़ा आ सकते हैं। श्री यादव विधानसभा में चुनाव जीतने की रणनीति तैयार कर रहे थे। उनके आक्रामक अंदाज को लेकर कांग्रेस में खौफ का माहौल था लेकिन भाजपा जिला संगठन के एक पदाधिकारी से अनबन के चलते उन्हें चुनाव के पहले ही यहां से हटा दिया गया। भाजपा सूत्रों का कहना है कि यदि लोकसभा विस्तारक अशोक यादव विधानसभा चुनाव तक रहते तो परिणाम और कुछ होता।

हल्की वर्षा होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (09 से 13 दिसम्बर) घने, साफ से मध्यम बादल रहने एवं दिनांक 09.12.2023 को हल्की वर्षा की संभावना है । अधिकतम तापमान 23-25 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 12-14 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है । अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 78-85 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 50-61 प्रतिशत रहने की संभावना है । आने वाले दिनों में हवा उत्तर-पूर्व एवं पूर्व दिशा में बहने एवं 06-08 कि. मी. प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है ।

विधायक कमलेश शाह ने आंचल कुंड दरबार मैं मत्था ठेका

अमरवाड़ा। विधानसभा क्षेत्र के बटका खापा आंचल कुंड में स्थित सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल अंचल दरबार पहुंचकर शुक्रवार दोपहर को अमरवाड़ा क्षेत्र से लगातार तीसरी बार विधायक निर्वाचित हुए कांग्रेस प्रत्याशी राजा कमलेश प्रताप शाह ने पूजा अर्चना की साथ ही विधानसभा क्षेत्र की जनता जनार्दन की सुख शांति समृद्धि खुशहाली की मंगल कामना की और आदिवासी समाज के धर्मगुरु दादा सुखराम दास जी महाराज से भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया इस मौके पर पूर्व जनपद उपाध्यक्ष गणेश महाराज ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कमलभान शाह इन वादी जनपद सदस्य चंदू कुडोपा पार्षद सुनील ईरपाची रमेश ईरपाचे दुर्गेश ठाकुर जमुना उईके सहित अन्य प्रतिनिधि गण उपस्थित रहे।

एनसीसी की जूनियर विंग यूनिट की स्थापना

छिन्दवाड़ा। जिले के विकासखंड तामिया के ग्राम बिजौरी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गत दिनों एनसीसी की जूनियर विंग यूनिट की स्थापना की गई। विद्यालय के प्राचार्य श्री विशाल कुमार दुफारे के प्रयासों से मिली एनसीसी की इस सौगात का गत दिनों एनसीसी 24 एमपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल थॉमस उम्मन द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में एनसीसी की जूनियर विंग यूनिट और कार्यालय का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया गया। एनसीसी की इस यूनिट से संस्था में अध्ययनरत विशेष पिछड़ी जनजाति भारिया के लगभग 80 प्रतिशत विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। विद्यालय के प्राचार्य दुफारे ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कर्नल थॉमस उम्मन द्वारा विद्यार्थियों को भारतीय सेना में सेवा और कैरियर बनाने सम्बन्धी मार्गदर्शन दिया। उन्होंने सभी कैडेटस को एनसीसी के महत्व, अनुशासन, नियमों व उनके लाभ से भी परिचित कराया। इस अवसर पर सी.टी.ओ. श्री मोहम्मद अजीम, शिक्षक महेश इवनाती, मनोज उसरेठे, शशिभूषण तिवारी, नरेश राय, आमना अंसारी, मीनालाल तंतुवाय, अतिथि शिक्षक और विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

वयोवृध्द नागरिक ने झंडा दिवस निधि में दान दिए एक लाख

छिन्दवाड़ा। छिंदवाड़ा व पांढुर्णा जिलों में आज सशस्त्र सेना झंडा दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और नागरिकों ने भी इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान नागरिकों, अधिकारियों और अन्य लोगों द्वारा उदार भाव से अधिकाधिक राशि झंडा दिवस निधि में दान की गई और सैनिकों के प्रति अपनी कृतज्ञता का परिचय दिया गया। उल्लेखनीय है कि झंडा दिवस द्वारा एकत्रित निधि युद्ध में दिव्यांग सैनिकों, वीर नारियों और देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों के परिवारों की देखभाल करने और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संचालन में उपयोग की जाती है साथ ही व्यक्तिगत और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा दी गई इस दान राशि पर आयकर अधिनियम 80 'जी' बी के अन्तर्गत आयकर में शत-प्रतिशत की छूट भी दी जाती है । छिंदवाड़ा के लोगों ने इस नेक काम के लिए दिल खोलकर दान दिया। सैनिक कल्याण अधिकारी ने 87 वर्षीय वयोवृध्द नागरिक श्रीमती कमला तिवारी पत्नी स्वर्गीय डॉ.डी.पी.तिवारी के घर जाकर उन्हें सशस्त्र सेना के झंडे का बैज लगाया एवं श्रीमती कमला तिवारी ने इस वर्ष भी एक लाख रूपये की राशि झंडा दिवस निधि में दान दी ।पांढुर्णा जिले की तहसील सौंसर और पांढुर्णा के पूर्व सैनिकों के एक दल ने पांढुर्णा कलेक्टर श्री अजय देव शर्मा को भी सशस्त्र सेना के झंडे का बैज लगाया। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल जया जेवियर और कल्याण संयोजक राजेश पाटिल ने इस नेक काम में योगदान रहा।

लव जिहाद आदिवासी युवती को लेकर भागा युवक

पिता ने पुलिस से की कार्रवाई की मांग, 50 हजार भी लेकर गई

छिंदवाड़ा। आदिवासी विकास परिषद ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि कई वर्षो से आदिवासी समाज की बेटियों व महिलाओं के साथ लगातार लव जिहाद की घटना हो गई है। थाना प्रभारी को भी दिए ज्ञापन में पीड़िता के पिता बबलू पन्द्राम ने बताया कि 4 दिसंबर को उनकी बेटी निवासी न्यूटन रोड राधाकृष्ण मंदिर के पास चांदामेटा को मोबाईल के माध्यम से हसन उर्फ अम्मू पिता अल्लू कुरैशी निवासी चांदामेटा काली चौक ने दोस्ती कर बहला फुसलाकर घर से भगा लिया है। और लड़की ने लड़के कहने पर घर से 50 हजार एवं गहने लेकर गइ इससे आदिवासी का पूरा सामाज आहत है। उन्होने लड़की को जल्द से जल्द वापस करने की मांग की है।

बच्चों से भरी स्कूल वैन अनियंत्रित होकर पलटी

अमरवाड़ा। गुरुवार को थाना क्षेत्र अंतर्गत एक स्कूली वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। जानकारी के अनुसार नगर के सरस्वती ज्ञान मंदिर स्कूल में संचालित मैजिक वाहन सुबह 10ः00 बजे के आसपास क्षेत्र के ग्राम हरण भटा में छात्रों को लेने गई थी। इसी दौरान वापसी के चलते हरण भटा के पास ही वाहन अनियंत्रित होकर सड़क के साइड में पलट गया। जबकि तत्काल ग्रामीणों की मदद से वाहन से बच्चों को बाहर निकाल कर स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। वाहन में 8 बच्चे बैठे हुए थे। जिसमें से पांच बच्चों को मामूली चोट आई है। जबकि तीन बच्चों को कोई भी चोट नहीं आई

नाबालिक का अपहरण कर किया दुष्कर्म

अमरवाड़ा। ग्राम सुखारी की रहने वाली नाबालिक बालिका को ग्राम विनेकी के रहने वाले संदीप नामक युवक ने बहला फुसलाकर भगाकर ले गया बालिका के गुम होने की शिकायत पर अमरवाड़ा पुलिस द्वारा बालिका की पताशाजी की गई पता चला नाबालिक को संदीप ने बहला फुसलाकर ले जाना चाह रहा था लेकिन नाबालिक के प्रतिकार करने पर जोर जबरदस्ती अपहरण कर भाग कर ले गया और उसे अपने कब्जे में रखकर धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया नाबालिक के परिजन ऑन एवं पुलिस के द्वारा सूत्रों से पता साजी करने पर पता चला की संदीप ने नाबालिक के साथ शादी का प्रलोभन देकर उसके साथ गलत काम किया है बालिका एवं परिजनों की रिपोर्ट पर थानेदार दीपा ठाकुर ने भादवि की धारा 363 366 (का) 376 (2)(ह) एवं पास्कों एक्ट की धारा 5,6 के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में दिया गया।

बुजुर्ग के साथ की मारपीट

अमरवाड़ा थाना अंतर्गत सिंगोडी चौकी के बांका रोड निवासी मुनीम पिता लेखन चंद्रवंशी उम्र 65 वर्ष को ज्ञानी एवं उसके दो अन्य साथियों ने मिलकर गंदी-गंदी गाली देकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने पर पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

स्कूली छात्र-छात्राओं को करायेंगे जंगल की यात्रा

अनुभूति प्रेरक प्रशिक्षण एक दिवसीय कार्यशाला

छिंदवाड़ा। मप्र ईको पर्यटन विकास बोर्ड मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती समीता राजोरा अपर प्रधान वन संरक्षक (वन प्राणी संरक्षण) के दिशा निर्देश पर आयोजित अनुभूति कार्यक्रम मै भी बाघ की थीम पर 15 दिसंबर से 31 जनवरी तक स्कूली छात्र एवं छात्राएँ को जगल की सैर आयोजित होने वाले अनुभूति कार्यक्रम मे छिन्दवाडा जिले मे आज अशासकीय मास्टर ट्रेनर एवं वनमंडलअधिकारी पूर्व वनमंडल सामान्य बृजेंद्र श्रीवास्तव भारतीय वनसेवा वनवृत्त छिंदवाडा से भेंट कर अनुभूति कार्यक्रम के तहत वनमंडल से प्रस्तावित नवीन प्रेरकों को प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु चर्चा की गई । गत दिवस पूर्व वनमंडल छिन्दवाडा के संवाद सदन में प्रशिक्षण आयोजित किया गया । जिसमे जे पी शिवहरे रिटायर्ड ए सी एफ एवं मोहन साहू मास्टर ट्रेनर द्वारा ईको टूरिजम बोर्ड द्वारा आयोजित अनुभूति कार्यक्रम पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई एवं सामाजिक वानिकी पोआमा पंचवटी छिन्दवाडा मे भ्रमण करया वन एवं वन्य प्राणी सुरक्षा,जैव विविधता, पर्यावरण संरक्षण,जल संरक्षण, औषधीय पौधे आदि विषयों पर नवीन प्रेरक को मास्टर ट्रेनर ईको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा जानकारी दी गई । इस प्रशिक्षण अवसर पर पूर्व वन मंडल के उपवनमंडल अधिकारी श्री सोलंकी वन परिक्षेत्र अधिकारी चौरई सनोडिया एवं छिंदवाडा वन परिक्षेत्र अधिकारी पंकज शर्मा सहित वन अमला मैजूद थे ।

संभाग स्तरीय टीम का औचक निरीक्षण लापरवाह कृषि केन्द्रों पर कार्यवाही

छिन्दवाड़ा/ संयुक्त संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जबलपुर से आई संभाग स्तरीय सघन गुण नियंत्रण टीम द्वारा आज छिन्दवाडा जिले में खाद, बीज एवं कीटनाशक विक्रय कर रहे कृषि केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में नोडल अधिकारी एवं अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ.इंदिरा त्रिपाठी, सहायक संचालक कृषि श्रीमती स्वाती राय, सहायक संचालक कृषि छिन्दवाडा श्रीमती सरिता सिंह व श्री धीरज ठाकुर, अनुविभागीय कृषि अधिकारी छिन्दवाडा श्री नीलंकठ पटवारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी छिन्दवाडा श्रीमती श्रद्धा डेहरिया और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी व्ही.के.मुंगेर सम्मिलित थे। उप संचालक कृषि जितेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि संभाग स्तरीय दल द्वारा छिंदवाडा नगर के मेसर्स रामजी एग्रो एजेंसी, मेसर्स नारायण बीज भंडार, मेसर्स पवार कृषि केन्द्र, प्रेम सागर कृषि केन्द्र, मेसर्स चौबितकर कृषि केन्द्र आदि प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया तथा बीज एवं कीटनाशक दवा के प्रतिष्ठानों में गुणवत्ता व विकय संबंधी दस्तावेजों की जाँच की गई। जॉच में कृषि केन्द्रों द्वारा जारी बिलों में कृषकों के हस्ताक्षर नहीं पाये जाने, एक्सपायरी तिथि की दवा को रखने, बिना स्त्रोत प्रमाण पत्र के दवा विक्रय करने, स्टॉक पंजी व बिल बुक प्रमाणित नहीं होने और दस्तावेज अपूर्ण होने पर संबंधित फर्मों के विरूध्द कार्यवाही की गई।

विधायक से मिले भाजपा नेता

छिंदवाड़ा। भाजपा नेता शंटी बेदी बुरहानपुर में विधायक श्रीमती अर्चना चिटनविस एवं इन्दौर के विधायक कैलाश विजय वर्गीय से मिल कर उन्हें बधाई दी।

एस.आर. शेंडे साहित्य सेवा के लिए हुए सम्मानित

सौंसर। प्रादेशिक सामाजिक न्याय सभागार नागपुर में वरिष्ठ साहित्यकार चितरंजन चौरे लिखित मराठी काव्य संग्रह रत्न फुलांची ओंजळ विमोचन एवं कवि सम्मेलन के अवसर पर क्रांतिकारी कवि एस.आर.शेंडे को साहित्य सेवा के लिए गुलदस्ता एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। गरिमामय समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार शालिक जिल्हेकर ने की। प्रमुख अतिथि नामवंत साहित्यिक माणिक खोबरागड़े,मनोहर गजभिए, चितरंजन चौरे,प्रोफेसर जावेद पाशा,प्रा.हृदय चक्रधर ,सूर्यकांत मूनघटे, भोला सरवर थे। संजय गोडघाटे, दिवाकर शिर्के, जगदीश राऊत, डॉ.मोनाली पोफरे, ताहिरा शेख, रजनी फूलझेले, दीपक पंचभाई, देवानंद बड़गे ,रोशनी गणवीर, प्रकाश बावनगड़े, आदि वरिष्ठ कलमकारों ने शिरकत की।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन आज

प्रकरणों के निराकरण के लिये 33 खण्डपीठ गठित

छिन्दवाड़ा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 9 दिसंबर को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जितेन्द्र कुमार शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय छिन्दवाड़ा तथा तहसील न्यायालय अमरवाड़ा, हर्रई, चौरई, जुन्नारदेव, तामिया, पांढुर्णा, परासिया और सौंसर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया हैं। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शर्मा 9 दिसंबर को प्रातः 10:30 बजे जिला न्यायालय परिसर स्थित एडीआर भवन में नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ करेंगे। जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकारण श्रीमती सविता ओगले ने सभी से इस कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील की है। जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकारण श्रीमती ओगले ने बताया कि इस नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित सभी प्रकार के समझौता योग्य आपराधिक प्रकरण, धारा 138 एन.आई. एक्ट (चैक बाउंस), मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा, श्रम विवाद, विद्युत एवं जलकर, पारिवारिक विवाद, भूमि अधिग्रहण, बैंक ऋण की वसूली के प्रकरण, सिविल न्यायालयों में लंबित राजस्व प्रकरण एवं अन्य प्रकार के दीवानी प्रकरणों का आपसी सुलह समझौते के माध्यम से निराकरण किया जाएगा। इसी प्रकार प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में धारा 138 एन.आई.एक्ट, बैंक ऋण की वसूली के प्रकरण, श्रम विवाद, विद्युत एवं जलकर तथा समस्त प्रकार के समझौता योग्य आपराधिक एवं दीवानी प्रकरण का भी निराकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण के लिये जिले में 33 खंडपीठों का गठन किया गया है। न्यायालयों में लंबित तथा पूर्व वाद प्रकरण जिनमें बैंक, विद्युत, बी.एस.एन.एल. व जलकर के प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में आपसी सुलह समझौते के आधार पर निराकरण होने पर संबंधित विभागों के द्वारा आकर्षक छूट प्रदान की जा रही है। उन्होंने सभी पक्षकारों से नेशनल लोक अदालत में मिलने वाली छूट का लाभ प्राप्त कर प्रकरणों का निराकरण किये जाने की अपील भी की है।

कांग्रेस नहीं लोकतंत्र व प्रजातंत्र हारा: गंगा तिवारी

सातों विधानसभा सीटों पर होगा आभार जनसभा का आयोजन

छिन्दवाड़ा। जिले के जागरूक और विकास पसंद मतदाताओं की वजह से छिन्दवाड़ा आज देश और सम्पूर्ण म.प्र में एक उदाहरण बनकर उभरा हैं, जहां पूर्व सीएम कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ के नेतृत्व में ग्राम सरकार से लेकर विधानसभा की सातों सीटों पर कांग्रेस ने ऐतिहासिक विजय हासिल कर पुनः इतिहास रचा है। विधानसभा चुनाव में जिले की जनता से मिले प्यार, आशीर्वाद के साथ ही कांग्रेस के निष्ठावान साथियों की कर्तव्य निष्ठा का आभार मानने हेतु जिले के विकास पुरुष कमलनाथ और सांसद नकुलनाथ का छिन्दवाड़ा आगमन होने जा रहा है। नेताद्वय आमसभा के माध्यम से जिले की जनता का आभार प्रदर्शन करेंगे, इस हेतु एक आवश्यक बैठक का आयोजन आज स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन में किया गया। पूर्व सीएम कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ के आगमन की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुये प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष गंगाप्रसाद तिवारी ने छिन्दवाड़ा विधानसभा के उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि कांग्रेस के प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता के अथक प्रयास और परिश्रम से कांग्रेस ने सातों सीट पर जीत हासिल की हैं, हमें जीत के साथ ही जिन बूथों पर हार का सामना करना पड़ा उसकी समक्षा करनी होगी साथ ही लोकसभा की तैयारियों में पुनः इसी तरह जुटना होगा। उपस्थित पदाधिकारियों में जोश भरते हुये कहा कि कांग्रेस ने अंग्रेजों से सौ साल तक लड़ाई लड़ी, किन्तु हार नहीं मानी, इसी तरह हमें पूरे जोश से फिर लड़ना है और जीतना है। उन्होंने अपने उदबोधन में कहा कि मप्र में कांग्रेस नहीं लोकतंत्र और प्रजातंत्र हारा है। उन्होंने दिनांक 12 दिसम्बर को पूर्व सीएम कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ के आगमन की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की ।जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे ने कहा कि देश और सम्पूर्ण प्रदेश में छिन्दवाड़ा उदाहरण बन चुका है, जहां जिला पंचायत, नगर निगम, नगर पंचायत, विधानसभा की सातों सीट व लोकसभा सीट पर कांग्रेस का कब्जा है।

उन्होंने कहा कि दिनांक 12 दिसम्बर को पूर्व सीएम कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ का छिन्दवाड़ा आगमन हो रहा है। जिले की सातों सीटों पर आभार जनसभाओं का आयोजन होगा। छिन्दवाड़ा के मानसरोवर कॉम्प्लेक्स बस स्टैंड पर दिनांक 13 दिसम्बर को सभा के आयोजन की जिम्मेदारियां उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों को पृथक-पृथक सौंपी।

अप्राकृतिक कृत्य के मामले में आरोपी को आजीवन कारावास एवं 2000 रू अर्थदंड

छिंदवाड़ा। न्यायालय श्रीमती कुमुदिनी पटेल विशेष न्यायाधीश (पाक्सो एक्ट) छिन्दवाडा द्वारा थाना चौरई की ओर से प्रस्तुत नाबालिग बालक के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने के मामले में आरोपी राकेश वर्मा उम्र 25 वर्ष को आजीवन कारावास एवं कुल 2000/- रू अर्थदंड से दंण्डित किया प्रकरण में नाबालिग बालक जिसकी उम्र करीब 11 वर्ष है। दिनांक 07.02.2021 को दोपहर लगभग 03 बजे घर के सामने खेल रहा था तभी आरोपी राकेश वर्मा उम्र 25 वर्ष आकर बोला कि रॉड वाले के यहां चल मेरे साथ, तो नाबालिग बालक उसके साथ मोटर सायकिल में बैठकर बाजार तरफ चला गया। उसके बाद अभियुक्त ने नाबालिग बालक को जंगल की तरफ लेकर गया और वहीं रास्ते में एक सफेद कलर के सीमेंट के चबूतरे में नाबालिग बालक के साथ अप्राकृतिक कृत्य किया। नाबालिग बालक के चिल्लाने पर अभियुक्त ने उसका मुंह हाथ से दबा दिया एवं 10 रूपये देकर बोला कि किसी को मत बताना। उसके बाद नाबालिग बालक को वापस बाजार में छोडकर भाग गया। नाबालिग बालक की मां की शिकायत पर घटना के संबंध में थाना चौरई में एफआईआर क्रमांक 112/21 धारा 377 भादवि, 4, 6पाक्सो एक्ट एवं 3(2)(व्ही) एस.सी./एस.टी. एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना उपरांत अभियोग पत्र विशेष न्यायालय (पाक्सो एक्ट) छिन्दवाडा में प्रस्तुत किया गया, जहां विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से उक्त घृणित कृत्य के लिये आरोपी को अधिकतम दंड दिये जाने का अनुरोध किया गया जिस पर सहमत होते हुये अभियोजन पक्ष तथा बचाव पक्ष के तर्को को सुनने के उपरांत न्यायालय द्वारा आरोपी को दोषी पाते हुये भादवि की धारा 377 में आजीवन कारावास व 1000 रू अर्थदंड एवं पाक्सो अधिनियम की धारा ड(2) व 3(2)(व्ही) एस.सी./एस.टी. एक्ट में आजीवन कारावास एवं 1000/- रूपये अर्थदण्ड से दंडित किया गया।

कम्प्यूटर इंजीनियर बनने की इच्छा पर 2 लाख की अनुशंसा

प्रकरण के नाबालिग बालक द्वारा न्यायालय के समक्ष आगे पढकर कम्प्युटर इंजीनियर बनने की भावना व्यक्त की गई जिसको ध्यान में रखते हुये माननीय न्यायालय द्वारा उसे 02 लाख रूपये क्षतिपूर्ती राशि दिये जाने की अनुशंसा के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देशित किया गया। प्रकरण में न्यायालय द्वारा विशेष टिप्पणी करते हुये कहा है कि उक्त प्रकरण में नाबालिग बालक के एनल स्लाईड व स्वाब को डीएनए परीक्षण बाबत् प्रेषित नहीं किया गया है। अतः पुलिस अधीक्षक छिंदवाडा एवं पुलिस महानिदेशक भोपाल को निर्देशित किया है कि जहां बालक अथवा बालिका 16 वर्ष से कम है वहां घटना की रिपोर्ट के तुरंत पश्चात् डीएनए परीक्षण आवश्यक रूप से कराया जाये।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट उद्यान, श्यामला हिल्स में पौधारोपण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नीम, अमरुद और कदम के पौधे लगाए। पौधारोपण के अवसर पर पर्यावरण प्रेमी नागरिक भी उपस्थित होकर सहभागी हुए।

दोस्त ने ही डुबाई महुआ मोइत्रा की नैया

सामने आया ऐसा किरदार जो पहले साथ था और बाद में हुआ जुदा

नई दिल्ली। लोकसभा से महुआ मोइत्रा को बर्खास्त कर दिया गया है। मोइत्रा की सांसदी जाने के पीछे की वजह ऐसा किरदार है जो पहले उनके साथ था और बाद में जुदा हो गया। जय अनंत देहाद्राई, ये महुआ पर आरोप लगाने वाले सुप्रीम कोर्ट के वकील हैं। जय अनंत देहाद्राई और महुआ मोइत्रा दोनों पहले दोस्त थे, बाद में दोनों में झगड़ा हो गया। मोइत्रा ने पिछले 6 महीनों में आपराधिक अतिक्रमण, चोरी, अश्लील संदेश और दुर्व्यवहार के लिए देहाद्राई के खिलाफ कई पुलिस शिकायतें दर्ज कराई हैं।

जय अनंत पर ये भी आरोप था कि उन्होंने मोइत्रा के घर पर कब्जा कर लिया और उनका कुत्ता भी रख लिया है। बाद में कुत्ते को लौटा दिया गया था। दोनों में कड़वाहट इतनी बढ़ गई कि जय अनंत ने महुआ के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। जय अनंत ने सीबीआई में मोइत्रा के खिलाफ सबूत देकर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद यही सबूत बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के माध्यम से पेश कर संसद में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे- महुआ के खिलाफ मोर्चा खोलने में दूसरा नाम आता है बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे का। दुबे राजनीति में आने से पहले कॉर्पोरेट वर्ल्ड में थे। गोड्डा बिहार से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने 2009 में राजनीति में कदम रखा था। इससे पहले वे एस्सार ग्रुप में कॉर्पोरेट हेड थे। उन्होंने 2009 में गोंडा से पहला चुनाव जीता था। इसके बाद 2014 और 2019 में भी जीत हासिल की।

दर्शन हीरानंदानी

महुआ केस में तीसरा नाम आता है दर्शन हीरानंदानी का। महुआ पर आरोप है कि इनसे पैसे लेकर अडानी के खिलाफ सवाल पूछती थीं। 42 साल के दर्शन हीरानंदानी मुंबई बेस्ड रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी हीरानंदानी ग्रुप के सीईओ हैं। उनके पिता रियल एस्टेट टाइकून निरंजन हीरानंदानी हैं। दर्शन डेटा सेंटर, क्लाउड कम्प्यूटिंग, तेल और गैस, लॉजिस्टिक, वेयरहाउस जैसी कई कंपनियों के प्रेसिडेंट हैं, जो हीरानंदानी ग्रुप के अंडर में हैं। दर्शन ने न्यूयॉर्क के रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एमबीए और बीएससी की डिग्री ली है। हीरानंदानी ग्रुप अडाणी ग्रुप का कॉम्पिटिटर है। ये कई टेंडरों में अडाणी ग्रुप का राइवल रहा है। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर आरोप है कि उन्होंने दर्शन हीराचंदानी से पैसे और महंगे उपहार लेकर संसद में 61 सवाल पूछे, जिनमें से 50 अडानी ग्रुप से जुड़े थे।

हीरानंदानी को आईडी पासर्वड देने का आरोप

सांसद ऑफलाइन के अलावा प्रश्न पूछने के लिए ऑनलाइन भी नोटिस दे सकते हैं। महुआ मोइत्रा पर यही आरोप लगा कि उन्होंने अपना गोपनीय आईडी पासवर्ड उद्योगपति दर्शन हीरानंदानी को दिया। सांसद ऑफलाइन के अलावा प्रश्न पूछने के लिए ऑनलाइन भी नोटिस दे सकते हैं।

2013 बैच के आईएएस राघवेंद्र सिंह ने हॉस्टल जीवन पर लिखा उपन्यास

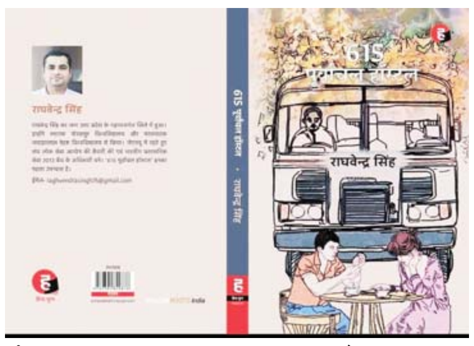

भोपाल। भारतीय प्रशासनिक सेवा में 2013 बैच के आईएएस अधिकारी ने अपने हॉस्टल जीवन पर बहुत ही खूबसूरत और अनूठे अंदाज में एक उपन्यास लिखा है। उपन्यास का नाम है- 615 पूर्वांचल हॉस्टल। उपन्यास जेएनयू के छात्र जीवन पर आधारित है। इसमें जेएनयू, प्रेम, दोस्ती जैसे विषय मिलेंगे। राघवेंद्र सिंह ने बताया कि उपन्यास जल्दी ही अमेजन पर आ जायेगा। छप कर भी जल्द आ रहा है। राघवेंद्र सिंह वर्तमान में आगर मालवा जिले के कलेक्टर है। वे इससे पहले अलीराजपुर के कलेक्टर रहे है।

खरगापुर विधानसभा क्षेत्र के चुनाव परिणाम संदेहास्पद हैः अजय सिंह यादव

भोपाल। जैसा की सभी को जानकारी है मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में टीकमगढ़ जिले की विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 47 खरगापुर से मै निर्दलीय उम्मीदवार तौर पर चुनाव मैदान में था जिस तरह के चुनाव परिणाम खरगापुर क्षेत्र में आए हैं वह निश्चित ही किसी न किसी गड़बड़ी की आशंका को दिखाता है इस संदर्भ में मेरे द्वारा भारत निर्वाचन आयोग को शिकायत की गई है एवं निर्वाचन आयोग से मांग की गई है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए जो भी पद्धति भी उपलब्ध हो उसको अपनाकर खरगापुर विधानसभा क्षेत्र के चुनाव परिणामो का न्यायसंगत तरीके से जाँच एवं पुनरीक्षण किया जाए।

मेरे चुनाव प्रचार एवं चुनाव के उपरांत जिस तरह का जन समर्थन मुझे प्राप्त था उसके बाद जिस तरह के परिणाम आए हैं वह संदेहास्पद है मैंने पार्टी में रहते हुए भारी जनसमर्थन के साथ लगातार कई वर्षो से जो आयोजन किए थे उनमें यह संदेह किया भी जा सकता है कि जनता कांग्रेस पार्टी के नेता के तौर पर मेरे साथ थी परन्तु कांग्रेस पार्टी छोड़ने के बाद 22. अक्टूबर 2023 को खरगापुर के मेला ग्राउंड में मैंने बैठक बुलाई थी जिसमें 5000 से अधिक खरगापुर क्षेत्र के लोग सम्मिलित हुए थे एवं सभी ने निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ने का समर्थन दिया था गौरतलब श्री राहुल गांधी जी की सभा भी कांग्रेस पार्टी द्वारा इसी ग्राउंड पर करवाई गई थी मेरे चुनाव अभियान के भी तमाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फोटो/वीडियो उपलब्ध है जिनमें देखा जा सकता है कि किस प्रकार का जनसमर्थन मुझे आखिरी तक मिल रहा था ऐसे राजनीतिक हालात में मुझे मात्र 1458 मत प्राप्त हो ऐसा संभव नहीं लगता है यहां तक की जिन मतदान केंद्रों पर मतदान के दिन मेरे सक्रिय पोलिंग एजेंट भी थे उन मतदान केंद्रों पर 1-2 या कहीं-कहीं तो शून्य मत भी प्राप्त हुए जो कि संभव नहीं है संबंधित मतदान केदो के मतदाता शपथ पत्र के माध्यम से या व्यक्तिगत तौर पर निर्वाचन आयोग में उपस्थित होकर भी अपना मत मुझे दिया था इस सम्बन्ध में अपना पक्ष रखने के लिए तैयार है।

थकान मिटाने अफसर छुट्टी पर मध्यप्रदेश में अफसरों के अवकाश पर जाने का दौर शुरू

भोपाल। विधानसभा चुनाव की व्यस्तताओं के बाद मध्यप्रदेश के कई जिलों के कलेक्टर अब अवकाश पर हैं और कुछ जाने वाले हैं। इसके अलावा कुछ अफसरों ने अपने प्रवास के लिए अर्जी लगा रखी है। यानी दिसंबर में ये अफसर भी रिलैक्स के लिए देश-विदेश के दौरे पर रहेंगे। ऐसी स्थिति में इन अफसरों का कामकाज प्रभारी संभालेंगे। कुछ अफसरों ने तो संभाल भी लिया है। इस बात की तस्दीक शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन की वीडियो कॉन्फ्रेंस से ली गई बैठक में हुआ। जहां कई जिलों के कलेक्टर की गैरमौजूदगी में अपर कलेक्टर, सीईओ और निगायुक्तों ने बात रखी।

सीईओ की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टरों के अवकाश का चला पता

जानकारी के मुताबिक 3 दिसंबर को हुई विधानसभा चुनाव की काउंटिंग के बाद कई जिलों के कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी छुट्टी पर चले गए हैं। यह बात सामने तब आई जब मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ)अनुपम राजन ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। इस बैठक में जिलों के कलेक्टरों से सुझाव और शिकायतों की जानकारी मांगी गई। तब कई जिलों के कलेक्टर के प्रतिनिधि के तौर पर अपर कलेक्टर, छ्श्चह्र जिला पंचायत और नगर निगम आयुक्तों ने जानकारी दी।

इन कलेक्टरों के नाम आए सामने- करीब 3 माह से लगातार चुनावी व्यस्तता के चलते अवकाश पर गए अफसरों में जिन कलेक्टरों के नाम सामने आए हैं। उसमें कलेक्टर रीवा प्रतिभा पाल, सतना अनुराग वर्मा, सागर दीपक आर्य, शहडोल वंदना शर्मा और जबलपुर कलेक्टर कुमार सौरभ शामिल हैं।

अफसर इसलिए अवकाश पर जा रहे- जानकारी के अनुसार विधानसभा चुनाव के बाद अब जिलों में लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू होने वाली है। इसके साथ ही बीजेपी की नई सरकार के गठन का काम अगले हफ्ते होगा। इसके बाद अगले 15 दिनों में नई सरकार के मुखिया की ओर से प्रशासनिक सर्जरी किया जाना संभावित है। इसकी एक वजह अधिकारियों का अवकाश 1 जनवरी से 31 दिसंबर के बीच स्वीकृत करने का सरकारी नियम है। इन कारणों से भी अफसर दिसंबर महीने में सबसे अधिक अवकाश पर जाते हैं।

कौन अफसर कहां और कब तक रहेंगे प्रवास पर

- अरुणा गुप्ता, सचिव लोकायुक्त, 22 जनवरी से 2 फरवरी तक विदेश प्रवास पर रहेंगे।
- भरत यादव, ओएसडी, सह आयुक्त नगरीय विकास और 23 दिसंबर से 7 जनवरी तक विदेश में रहेंगे।
- प्रवीण सिंह, सीहोर कलेक्टर, 6 जनवरी से 21 जनवरी तक विदेश में रहेंगे।
- मीनाक्षी सिंह, उपसचिव अजा कल्याण और जनजातीय कार्य विभाग, 23 दिसंबर से 26 जनवरी तक विदेश दौरे पर रहेंगी।
- मलिका निगम नागर, उप सचिव स्वास्थ्य, 23 दिसंबर से 5 जनवरी तक विदेश में रहेंगे।
- मनीष शंकर शर्मा, एडीजी पुलिस मैन्युअल, 11 दिसंबर से 10 मार्च इक्वाडोर दक्षिण अफ्रीका में रहेंगे।
- योगेश चौधरी, डीजी लोकायुक्त, 16 से 31 दिसंबर तक अवकाश पर रहेंगे।
- वैष्णव शर्मा, एआईजी पीएचक्यू, 17 दिसंबर तक रामेश्वरम के लिए अवकाश पर हैं।
- राहुल सिंह लोढ़ा, एसपी रतलाम, 6 जनवरी से 21 जनवरी तक न्यूजीलैंड के निजी प्रवास पर जाने वाले हैं।

भोपाल जिला न्यायालय में आज नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला मुख्य न्यायाधीश ने इसका शुभारंभ किया।

महू बीजेपी के 7 नेताओं को कारण बताओ नोटिस

इंदौर में बीजेपी संगठन ने अपने नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी कर 3 दिन में जवाब मांगा है। नेताओं को यह नोटिस कार्यवाहक जिला अध्यक्ष घनश्याम नारोलिया ने जारी किया है। बीजेपी सूत्रों ने बताया कि संगठन ने विधानसभा चुनाव में पार्टी के खिलाफ काम करने वालों पर सख्त रुख अपनाने की तैयारी शुरू कर दी है।

महू विधानसभा में पार्टी के घोषित प्रत्याशी के खिलाफ काम करने के चलते 7 पदाधिकारियों से जवाब मांगा गया है। इंदौर कार्यवाहक जिला अध्यक्ष घनश्याम नारोलिया ने बताया कि अभी महू के नेताओं से नोटिस देकर जवाब मांगा गया है।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक देपालपुर और सांवेर में भी पार्टी विरोधी काम करने वाले नेताओं की सूची बनाकर उन्हें भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा जाएगा। नेताओं को तीन दिन के अंदर जवाब देना है। जिसे भोपाल पदाधिकारियों के पास भेजा जाएगा। इसके बाद प्रदेश संगठन उचित कार्रवाई करेगा।

बीजेपी सूत्रों ने बताया के जिन नेताओं को अभी नोटिस जारी किया गया है, उनकी शिकायत संगठन को खुद विधायक उषा ठाकुर ने की थी। जिसके बाद संगठन ने नोटिस देकर जवाब मांगा है। बताया जा रहा है कि जिन नेताओं को नोटिस जारी किए गए है। उनके खिलाफ सभी सबूत सहित (ऑडियो/वीडियो) शिकायत आलाकमान से की गई है।

इन नेताओं को मिला कारण बताओ नोटिस

इंदौर बीजेपी संगठन ने जिन्हें नोटिस दिया है उनमें जिला अध्यक्ष मनोज ठाकुर, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक सोमानी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामकरण भाबर, जिला संयोजक खेल प्रकोष्ठ देवेंद्र बिट्टू ठाकुर, पूर्व युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति संतोष पाटीदार, पूर्व बीजेपी मंडल अध्यक्ष धन्नालाल निनामा सहित अन्य नेता शामिल हैं।

बता दें कि इन नेताओं ने महू में स्थानीय प्रत्याशी की मांग को लेकर उषा ठाकुर के विरोध में प्रदर्शन किया था। नोटिस प्राप्त नेताओं ने उषा ठाकुर के विरोध में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया था।

तब्लीगी इज्तिमा: मौलाना इलियास बोले- कर्म पर यकीन रखो, भीड़ बढ़ने पर टेंट बढ़ाए

भोपाल। भोपाल में आलमी तब्लीगी इज्तिमे के दूसरे दिन शनिवार को मौलाना इलियास ने तकरीर में ईमान और यकीन पर जोर दिया। फजर की नमाज के बाद तकरीर में उन्होंने कहा, आज लोगों का यकीन कमजोर हो गया है। लोग सोचते हैं कि मेरी दुकान में चोरी नहीं होगी, क्योंकि मैं ताला डालकर आया हूं, मेरे घर में आग नहीं लग सकती, क्योंकि मेरे पास सभी तरह के इंतजाम हैं।

उन्होंने कहा, इस तरह से लोग असबाब (घर-गृहस्थी के सामान) पर यकीन करने लगे हैं, जबकि यकीन आमाल (कर्म) और अल्लाह पर होना चाहिए।

मौलाना ने आगे कहा, जब भी हमारे सामने बुरा वक्त आता है तो हम पहले दुनियावी तौर पर सारी कोशिशें करते हैं, फिर आखिर में जब कुछ हाथ नहीं लगता, तब दुआ पर यकीन करने लगते हैं। हमें पहले ही मस्जिद की ओर रुख करना चाहिए, क्योंकि पैगंबर ऐसा करते थे। कलमा ही कामयाबी का रास्ता है।% भोपाल में यह 74वां आलमी तब्लीगी इज्तिमा है। 8 दिसंबर से शुरू होकर 11 दिसंबर तक चलेगा। आज दूसरे दिन शनिवार को तीन उलेमाओं की तकरीरें होंगी।

300 एकड़ से ज्यादा में लगाए टेंट- इज्तिमे में आने वाली भीड़ को देखते हुए लगातार कमेटी टेंट की संख्या बढ़ा रही है। कुछ नए पंडाल तैयार कर दिए गए हैं, जैसे - जैसे भीड़ बढ़ रही है, वैसे-वैसे पंडाल लगाए जा रहे हैं। इज्तिमे का पूरा कैम्पस 450 एकड़ में है। 300 एकड़ से ज्यादा एरिया में टेंट लगाए गए हैं। इज्तिमा कमेटी के मीडिया प्रभारी आरिफ मोहम्मद खान ने बताया कि अब तक 20 देशों से 197 मेहमान भोपाल पहुंच चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा संख्या किर्गिस्तान से है। यहां से 57 मेहमान आए हैं, जबकि मलेशिया से आने वाले लोगों की संख्या दूसरे नंबर पर है।

घना कोहरा भी छाया: बादल छंटने से टेम्प्रेचर में गिरावट, दो दिन सर्दी का असर रहेगा

भोपाल। बादल छंटने और आसमान साफ होने से मध्यप्रदेश में ठंड का असर बढ़ गया है। शनिवार सुबह कोहरा छाया और तेज ठंड भी पड़ी। ज्यादातर शहरों में दिन का पारा 25 डिग्री और रात का तापमान 14 डिग्री के नीचे आ गया है। अगले 2 दिन यानी 10 दिसंबर तक ऐसी ही सर्दी रहेगी। इसके बाद वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से बारिश होने का अनुमान है।

इससे पहले, शुक्रवार को कई इलाकों में दिन के टेम्प्रेचर में गिरावट देखने को मिली। भोपाल में तापमान 25.8 डिग्री, ग्वालियर में 26.3 डिग्री, इंदौर में 25.6 डिग्री, उज्जैन में 27.5 डिग्री और जबलपुर में 26.7 डिग्री सेल्सियस रहा। भोपाल, रायसेन और विदिशा में ओस गिरी। शाजापुर में भी कोहरे के कारण विजिबिलिटी घट गई। सर्द हवाएं चलीं।

इसलिए बढ़ रहा ठंड का असर- सीनियर मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि तूफान %मिचौंग% कमजोर हो गया है, लेकिन नमी अभी भी है। दूसरी ओर हवाओं का रुख उत्तरी हो गया है। इससे भी ठंड बढ़ रही है। कई शहरों में रात में भी पारे में गिरावट हुई है। दो दिन बाद वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से एक बार फिर प्रदेश में मौसम बदलेगा और हल्की बूंदाबांदी होने के आसार हैं।

मध्यप्रदेश में पचमढ़ी की रात सबसे ठंडी रही। यहां न्यूनतम तापमान 10 डिग्री दर्ज हुआ। उमरिया में यह 11.3, ग्वालियर में 12, छिंदवाड़ा में 12.1, सागर में 12.3, रीवा में 12.4 डिग्री पर रिकॉर्ड हुआ। नरसिंहपुर में सबसे ज्यादा 17 डिग्री टेम्प्रेचर रहा।

शुक्रवार को प्रदेश के सिवनी में दिन का तापमान 20.4 डिग्री रहा। टीकमगढ़ में 24 डिग्री, सीधी में 24.6 डिग्री, मलाजखंड में 22.9 डिग्री, उमरिया में 26.4 डिग्री, सागर में 25 डिग्री, रीवा में 24.4 डिग्री, नरसिंहपुर में 23.4 डिग्री, मंडला में 24.4 डिग्री, खजुराहो में 25.6 डिग्री, छिंदवाड़ा में 24.5 डिग्री, दमोह में 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह बैतूल में 24.2 डिग्री, धार में 24.2 डिग्री, गुना में 26.4 डिग्री, नर्मदापुरम में 26.8 डिग्री, खंडवा में 26.1 डिग्री, खरगोन में 26.2 डिग्री, पचमढ़ी में 20.4 डिग्री, रायसेन में 23.2 डिग्री, रतलाम में 27 डिग्री, शिवपुरी में 24.2 डिग्री तापमान रहा।